डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 266 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 12 जुलाई 2025 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म. प्र.) 07422-490333

तस्करी: शहर बदलते ही बदल रहे नंबर..!

सांदीपनी स्कूलों की बसों की पहिए थमे..!

भुगतान का इंतजार, कर्मचारियों को नहीं मिला दो माह से वेतन

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नीमच-मंदसौर जिले के कई सांदीपनी स्कूलो की बसों के पहिए थम गए है। गरोठ और मल्हारगढ़ में शुक्रवार को बसों के नहीं पहुंचने की सूचना है। इसके अलावा नीमच सहित प्रदेश में कई जगहों पर पहले ही 11 जुलाई से बसें बंद करने की चेतावनी दे दी गई थी। गुरुवार से मंदसौर जिले में भी बस सेवा बंद करने बात कहीं गई थी। इसका कारण है चालक और अटेंडर को भुगतान नहीं होना। बसों का संचालन कर रही भोपाल की समाया स्कूल बस ट्रांसपोर्टेशन कंपनी ने अप्रैल 2025 से अब तक कोई भुगतान नहीं किया है। न बस मालिकों को पैसा मिला और न ही ड्राइवरों और अटेंडरों को पिछले दो महीने से वेतन मिला। कंपनी से बार-बार संपर्क करने के बाद भी सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है, अब तो फोन और ईमेल का जवाब तक नहीं दिया जा रहा है।

इधर विगत दिनों नीमच में भी संचालक और चालकों ने ज्ञापन सौंपा था। जिसमें अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि अब डीजल भराना, गाड़ियो की मरम्मत और स्टाफ को वेतन देना संभव नहीं है। संचालकों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि समाया कंपनी के डायरेक्टरों पर धोखाधड़ी और अनियमितता के आरोप हैं, और कोर्ट के आदेश पर उन्हें जैल भेजा गया है। अब कंपनी का संचालन और संपर्क पूरी तरह बंद जैसा हो गया है। प्रदेश के उज्जैन संभाग सहित अन्य जिलों के बस संचालकों ने चेतावनी दी थी कि यदि 10 जुलाई तक भुगतान नहीं हुआ, तो वे अपनी बसें कलेक्टर कार्यालय परिसर में खडी कर देंगे। इससे सीएम राइज स्कूलों की बस सेवा पूरी तरह से ठप हो जाएगी।

वाहनों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर हो रहा तस्करी का खेल

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाना सरकार ने अनिवार्य कर दिया है। हालांकि इसके बाद भी बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के वाहन सड़क पर धड़ल्ले से दौड़ रहे है। इसका फायदा उठा रहे है तस्कर। नंबरों के खेल में मादक पदार्थ के तस्कर पुलिस को उलझा रहे हैं। दो दिन पहले रतलाम पुलिस ने मंदसौर से निकला 57 किलो डोडाचूरा पकड़ा। जिस कार से तस्करी हो रही थी, उस पर फर्जी नंबर प्लेट थी। ऐसे मामले मंदसौर जिले में भी पुलिस कार्रवाई में सामने आए है। जिसमें वाहनों के अंदर से ही नंबर प्लेट निकली है। शहर बदलते ही वाहन के नंबर बदल जाते हैं।

बता दें कि शासन ने पहले बाइक और फिर चारपहिया वाहन में हाईसिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने के निर्देश दिए है। हालांकि कुछ समय पहले आदेश और सख्ती के बाद संबंधित विभाग हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट को लेकर लापरवाह दिख रहा है। इसका फायदा तस्कर उठा रहे हैं। हाईसिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने से कई फायदें थे। जिससे तस्करों और चोरों का नंबरों को खेल रूक सकता था। हाईसिक्योरिटी नंबर प्लेट एक बार वाहन में लगने के बाद नहीं खुल सकती थी। साथ ही कोई भी नंबर प्लेट को तोड़ता तो पता चल जाता है। दूर से ही नंबर प्लेट रात को भी दिखाई देती है।

नीत नए तरीके में शामिल फर्जी नंबर प्लेट...

मंदसौर जिला तस्करी का गढ़ है। इस गढ़ को भेदने के लिए पुलिस और नारकोटिक्स विंग की टीमें काम कर रही है। लेकिन, तस्कर पुलिस और नारकोटिक्स की आंखों से बचने के लिए कई तरह के उपाय कर रहे है। हाल ही में ही पुष्पा फिल्म देखकर फिल्म में अपनाएं गए तस्करी के तरीके को तस्करों ने अपनाया। अब फिर से नंबर प्लेट का खेल तस्कर कर रहे है। नकली नंबर प्लेट लगाकर तस्करी का खेल चल रहा है। लेकिन, इस खेल को रोकने के लिए अब तक कोई खास कदम नहीं उठाया गया है।

ऐसे करते हैं खेल...

पुलिस पकड़ नहीं पाए, इसके लिए तस्करों द्वारा नंबर प्लेट का खेल किया जाता है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कई मामलों में आरोपियों ने कहा कि वे नंबर प्लेट जिले दर जिले और प्रदेश दर प्रदेश के हिसाब से उपयोग करते है। जिससे कि लोकल नंबर से पुलिस की चैकिंग से बचा जा सके। तस्करी के खेल के साथ कई चोर गिरोह भी नकली नंबर प्लेटों का खेल करते है। सोमवार को पुलिस ने डोडाचूरा की तस्करी करते हुए आरोपी को पकडा। जिसमें भी नंबर प्लेट का खेल सामने आया है।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट को लेकर नरमी का उठा रहे फायदा

राज्य की दूरी के अनुसार बढ़ते हैं दाम...

प्रदेश में सबसे बड़ा गढ़ मंदसौर संसदीय क्षेत्र है। यहां से सबसे अधिक अफीम, हेरोईन व डोडाचूरा की तस्करी होती है। जब अफीम फसल खेत में खड़ी होती है तभी फसल देखकर ही तस्कर सौदा कर लेते है। नारकोटिक्स विभाग द्वारा कितनी अफीम किसान को तौल में देना यह तय नहीं किया गया है। ताकि किसान अधिक से अधिक अफीम तौल में लेकर आए। विभाग के अधिकारियों की माने तो 10 आरी में करीब साढ़े सात किलो से लेकर साढ़े नौ किलो तक अफीम की पैदावार होती है। अफीम का पट्टा तब बचता है जब माफिर्म का प्रतिशत 4.5 होना चाहिए। इससे कम में पट्टा कट जाता है। अच्छी क्वालिटी की अफीम होती है तो 07 हजार रूपए किलो तक के भाव किसान को मिलते है। वही तस्कर एक लाख रूपए किलो तक में इसको लेते है। जैसे-जैसे राज्यो की दूरी बढ़ती है। वैसे-वैसे इसकी कीमत भी बढ़ जाती है।

प्रदेश भाजपा के नए मुखिया ने कहा...

'पार्ट टाइम' राजनीति करने वालों की नहीं जरूरत

भोपाल, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश भाजपा को पहले विधानसभा 2023 और बाद में लोकसभा 2024 में मिली जीत का रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए प्रदेश भाजपा के नए मुखिया हेमंत खंडेलवाल अभी से जुट गए हैं। वे लगातार कार्यकर्ता मिलन समारोह के साथ जिले-संभागों का दौरा कर संगठन की नब्ज टटोल रहे हैं।

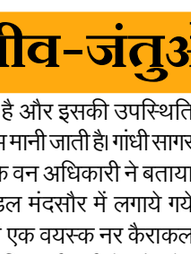

अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने सबसे पहले उज्जैन, इंदौर, नर्मदापुरम और बैतूल का दौरा किया। सूत्रों के मुताबिक वे जल्द ग्वालियर-चंबल, महाकोशल, बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र का दौरा कर कार्यकर्ताओं से मिलेंगे। यहां कार्यकर्ताओं के फीडबैक और सक्रियता के आधार पर उन्हें अपनी नई कार्यकारिणी में भी स्थान देंगे। प्रदेश में भाजपा का संगठन पहले से ही बहुत मजबूत स्थिति में है। इस कारण खंडेलवाल के सामने लोकसभा और विधानसभा के रिकॉर्ड बरकरार रखना चुनौती है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन की नई टीम तैयार करने को लेकर अपनी प्राथमिकताएं तय की हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अब संगठन से पार्ट टाइम काम करने वालों को विदा कर ऐसे को मौका मिलेगा जो पूरा समय संगठन को दें। क्योंकि, मौजूदा वक्त में कई महत्त्वपूर्ण मोर्चे जैसे महिला, किसान एवं पिछड़ा वर्ग सहित कई ऐसे प्रकोष्ठ हैं जिन्होंने कोई बड़ा कार्यक्रम ही नहीं किया है। क्योंकि, इनके अध्यक्ष खुद मंत्री या सांसद हैं। अब इनकी जिम्मेदारी फीडबैक पर नए कार्यकर्ताओं को मिलेगी।

प्रबंध समिति की हठधर्मिता के चलते मनोकामना अभिषेक से भक्तों का मोह भंग, पहले दिन दो जोड़ों ने की सहभागिता

पिछले साल पूरे माह में केवल 200 जोड़ो ने किया था अभिषेक

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर के श्रावण मास मनोकामना अभिषेक का 11 जुलाई को पशुपतिनाथ आराधना भवन में शुभारंभ हुआ। प्रारंभ में आराधना भवन मंच पर प्रतिष्ठित भगवान पशुपतिनाथ की रजत प्रतिमा का योग गुरु बंसीलाल टॉक, डॉ. रवींद्र पांडेय, प्रद्युम्न शर्मा, प्रबंधक राहुल रुनवाल, सह प्रबंधक ओपी शर्मा, दिनेश बैरागी ने पूजन किया। प्रथम दिन प्रारंभ में तो एक भी जोड़ा उपस्थित नहीं हुआ था। अभिषेक प्रारंभ होने के कुछ समय पश्चात दो जोड़े आये, जिन्हें जजमान बनाया गया।

श्री पशुपतिनाथ संस्कृत पाठशाला के आचार्य श्री ज्ञानी के मार्गदर्शन में 25 बटुकों द्वारा अभिषेक कराया गया। अभिषेक में दो जोड़ों ने सहभागिता की। इनमें एक अभिषेकार्थी मंदसौर अग्रसेन नगर और दूसरा उदयपुर का था। नाम मात्र की संख्या में केवल दो जोड़ो के भाग लेने का कारण जहां कोरोना से पहले गायत्री परिवार द्वारा निशुल्क अभिषेक होता था, वहीं एकाएक राशि 500 रूपए कर देने से विगत 2 वर्षों से संख्या में भारी कमी आ गई है।

नगर के जागरूक धार्मिक महानुभावों का प्रबंध समिति की पदेन अध्यक्ष कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग से अनुरोध है कि वे मनोकामना अभिषेक या तो नि:शुल्क अथवा 100 रूपये में कराने के आदेश दे। जिससे आमजन सहित सभी श्रद्धालु लाभ ले सके और पूर्ववत हजारों की संख्या में अभिषेकार्थी सम्मिलित हो, जिससे भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर की प्रसिद्धी के साथ ही नगर का गौरव बढ़े।

बता दें कि तत्कालीन कलेक्टर श्री जीके सारस्वत के समय मनोकामना अभिषेक की शुरुआत की गई थी। बाद में कोविड के समय गायत्री परिवार द्वारा निः शुल्क अभिषेक कराया गया। जब कम शुल्क होता था तो तीन-तीन पाली में भी श्रद्धालुओं को जगह नहीं मिल पाती थी।

भगवान पशुपतिनाथ मंदिर की व्यवस्थाओं को शायद कोई देखने वाला ही नहीं है। यही कारण है कि सावन में भी समय पर सफाई नहीं हो रही है। श्री पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्य में कई प्रकार की खामियां दिख रही है। इधर सावन माह प्रारंभ हुआ और उधर फर्श का काम प्रारंभ कर दिया गया। द्वार पर भी बल्लिया और बांस लगे हैं, कार्य चल रहा है। जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसलिए जिम्मेदारो को इस ओर ध्यान देकर ऐसा निर्णय करना चाहिए जिससे भक्तो को ज्यादा से ज्यादा सुविधायें मिले।

जैल में बिक रही थी तंबाकू, बीड़ी-सिगरेट, दो प्रहरी निलंबित

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला जैल में जैल प्रहरी ही कैदियों को बीड़ी-सिगरेट और तंबाकू बेच रहे थे। दो जैल प्रहरियों की तलाशी में उनके पास तंबाकू, सिगरेट और बीड़ी के पैकेट मिले हैं। जिन्हें जैल अधीक्षक ने कार्रवाई करते हुए निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय सब जैल गरोठ रहेगा।

मिली जानकारी के अनुसार प्रहरी अंकित शर्मा की 10 जुलाई 2025 को रात्रि 10.00 बजे से रात्रि 02.00 बजे की ड्यूटी नियत थी। जैल अधीक्षक द्वारा मुख्य द्वार पर प्रहरी अंकित शर्मा की तलाशी कराई गई। तलाशी लेने पर उनके कमर बेल्ट के निचे 05 नग 30 न. बीडी के बण्डल एवं जूते के अन्दर से 05 नग काका छाप एवं 02 नग गणेश 70/न. तम्बाकू के पाउच पाए गए। इसी प्रकार प्रहरी दिलीप शर्मा की तलाशीलेने पर उसके पास मोजो में गोल्ड फ्लेक सिगरेट के दो पैकेट एवं जूते के अंदर पांच विमल गुटखा के बडे पाउच, एक विंग तीन तंबाकू के छोटे पाउच पाए गए। प्रतिबंधित सामग्री जैल के अन्दर छुपाकर ले जाने के प्रयास में दोनों जैल प्रहरियों को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) आचरण नियम 1966 के नियम 09 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। दोनों का निलंबन अवधि में मुख्यालय सब जैल गरोठ रहेगा।

गांधी सागर के कैमरे में कैद हुआ दुर्लभ स्याहगोश

विलुप्त व विदेशी जीव-जंतुओं के लिए उम्मीदों का आवास बना अभ्यारण्य

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गांधी सागर अभयारण्य विलुप्त और विदेशी जीव जंतुओं के लिए स्वर्ग साबित हो रहा है। इसका एक और उदाहरण है गांधी सागर के कैमरे में कैद दुर्लभ स्याहगोश। गांधी सागर अभयारण्य विलुप्ती की कगार पर चल रही कई वन्य प्रजातियों के लिए सुरक्षित व संरक्षित आवास बन गया है। यही कारण है कि चीता बंधु प्रभास और पावक के परिवार का कुनबा भी बढ़ाने की कवायद शुरु हो चुकी है। बता दे कि केंद्र ने गांधी सागर अभयारण्य को सुरक्षित बनाने के लिए गांधीसागर के चारो तरफ सीमा के बाहर तीन किमी के एरिया को इंको सेंसेटिव झोन भी घोषित किया है।

गांधी सागर अभ्यारण्य मंदसौर में दुर्लभ प्रजाति के स्याहगोश (कैराकल) की उपस्थिति दर्ज हुई है। गांधी सागर वन्य-जीव अभ्यारण्य में 'कैराकल' जिसे स्थानीय रूप से स्याहगोश कहा जाता है, कैमरा ट्रैप में दिखाई दिया। यह मांसाहारी प्रजाति का अत्यंत शर्मीला, तेज गति से दौड़ने वाला और सामान्यत: रात्रिचर वन्य-जीव है। यह मुख्यत: शुष्क, झाड़ीदार, पथरीले और खुली घास वाले इलाकों में पाया जाता है। भारत में अब यह प्रजाति विलुप्तप्राय श्रेणी में रखी गयी है और इसकी उपस्थिति बहुत ही दुर्लभ मानी जाती है। गांधी सागर अभ्यारण्य के वन अधिकारी ने बताया कि वन मण्डल मंदसौर में लगाये गये कैमरा ट्रैप में एक वयस्क नर कैराकल की उपस्थिति दर्ज हुई है जो जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। अभ्यारण्य में संरक्षित आवासों की गुणवत्ता और संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण भी है।

यह है अभ्यारण्य में खास...

गांधी सागर अभयारण्य में वृक्षों की 70 प्रजातियाएं जड़ी बूटियों और झाड़ियों की 23 प्रजातियां, लताओं और परजीवियों की 09 प्रजातियां, घासों व बांसों की 16, स्तनधारी की 18, पक्षियों की 226, मछलियों की 14, सरीसृप की 17, उभयचरों की 05, तितलियों की 15 प्रजातियों से अधिक पाई जाती है। यहां तेंदुआ, भेड़िया, सियार, भारतीय लोमड़ी, धारीदार लक्कड़बग्गे, रीछ जैसे सैकडों वन्यजीव पाएं जाते है।

ऑल इज वेल फील कराता जंगल...

गांधी सागर में जीव जंतु हो या वनस्पति, सबको ऑल इज वेल की फिलिंग हो रही है। पिछले कुछ सालों के आंकड़ो पर नजर डाले तो अभयारण्य में वन्य जीव बिना किसी समस्या के जीवन यापन कर रहे है व उनकी संख्या में काफी इजाफा देखा गया है। गांधीसागर में मगरमच्छो की संख्या पांच हजार के पार तक पहुंच गई है। वहीं बर्ड सर्वे में यहां पक्षियों की 226 प्रजातियां पाई गई। प्रदेश में दूसरे नंबर पर गांधीसागर में सबसे अधिक गिद्ध पाए गए है। यहीं नहीं उदबिलाव, गिद्ध, नीलगाय, हायना, जेकल जैसी कई प्रजातियों की संख्या में इजाफा हुआ है। विशेषज्ञों की माने तो गांधीसागर में अभी मनुष्य का हस्तक्षेप अधिक नहीं होने से यह वन्य जीवों के लिए अच्छी जगह बना है। वन उपज की प्रमुख प्रजातियों में खैर, सलाई, धावड़ा, मोयन, पलास, साजा, तेंदू पत्ता, रोहन, करधई, अर्जुन, बैर आदि यहां मौजूद है। घास की प्रजातियों की बात करें तो फुलेरिया, गुड़ेल, भुरभूरी, पोनिया, लोपिया आदि यहां पर है। जीव-जंतु में सरीसृप में कोबरा, वाइपर, गोह आदि है। चंबल नदी में जलीय कछुआ, उदबिलाव आदि प्रजातियां भी पर्याप्त संख्या में विद्यमान हैं।

इसलिए आते है यहां अन्य देशों से गिद्ध...

विशेषज्ञों के अनुसार हिमालय, अफगानिस्तान व चाइना के कुछ क्षेत्रों में बर्फबारी होने की वजह से हिमालयन गिद्ध वहां से पलायन करते है। यूरोप में बर्फबारी की वजह से यूरेशियन गिद्ध वहां से निचले हिस्सों के लिए निकल जाते है। सिनेरियर गिद्ध अभी दो तीन साल से यहां आने लगे है। यादव ने बताया कि गांधीसागर में ठंडक होने के साथ गिद्धों के प्राकृतिक आवास जैसे चट्टानों में खोह पहाड़ो पर लटकते पेडों पर घोसले बने है।

इनका कहना...

गांधीसागर वन्यजीव अभयारण्य में कैराकल की मौजूदगी पहली बार दर्ज की गई है। मैंने अपने 15 साल के करिअर में कैराकल को आज तक नहीं देखा था। कैराकल की उपस्थिति यह दर्शाती है कि गांधी सागर क्षेत्र के शुष्क और अर्द्ध-शुष्क पारिस्थितिकीय तंत्र अब भी इतने समृद्ध और संतुलित हैं जो इस दुर्लभ प्रजाति को आश्रय दे सकते हैं। मध्यप्रदेश में पिछले कई वर्षों बाद किसी संरक्षित क्षेत्र में कैराकल की पुष्टि हुई है जो प्रदेश के लिये गर्व की बात है। यह खोज न केवल वन्य-जीव शोध के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है, बल्कि हमारे संरक्षण प्रयासों की सफलता का भी प्रमाण है। इस उपलब्धि के लिये वन विभाग एवं गांधी सागर वन्य-जीव अभ्यारण्य के अधिकारी-कर्मचारियों के विशेष प्रयासों से विविध पारिस्थितिकी संरक्षित रह पायी है। जिससे आज यह अभ्यारण्य दुर्लभ प्रजातियों के लिये भी एक सुरक्षित आश्रय स्थली बना हुआ है।

संजय रायखेरे,
वन मंडलाधिकारी, मंदसौर

आरोप: खोलने थे टांके, डॉक्टर ने बच्चादानी निकाल दी..!

* संतान की उम्मीद में ऑपरेशन खुलवाने गई थी महिला * डॉ. एसएस वर्मा के क्लीनिक के बाहर लोगों ने दिया धरना, कार्रवाई की मांग

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर की एक महिला और परिवार के लोग महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. एसएस वर्मा के क्लीनिक पर इस उम्मीद से पहुंचे थे कि उन्हें संतान का सुख मिलेगा। यहां नसबंदी ऑपरेशन खुलवाने के लिए डॉक्टर ने ऑपरेशन करने की बात की। आरोप है कि डॉक्टर ने नसबंदी ऑपरेशन के टांके खोलने की बजाय बच्चादानी ही निकाल ली। इसके बाद सॉरी बोल दिया। यह आरोप महिला रोग विशेषज्ञ और जिला अस्पताल के पूर्व सिविल सर्जन डॉ एसएस वर्मा पर लगाते हुए लोगों ने उनके घर और क्लीनिक के बाहर धरना देकर कार्रवाई की मांग की। इस मामले में परिवार और समाजजनों ने मिलकर शहर कोतवाली में आवेदन भी दिया है।

संजय हिल्स निवासी राजेश खारोल ने बताया कि उसकी एक बेटी है। जिसकी शादी हो चुकी है। पत्नी अयोध्या बाई का पूर्व में नसबंदी ऑपरेशन भी हो चुका है। वारिस की चाह में संतान की आस लेकर राजेश डॉ एसएस वर्मा के क्लीनिक पर पहुंचा। डॉ वर्मा ने नसबंदी ऑपरेशन खोलने की बात कही। आश्वासन दिया कि ऑपरेशन के बाद महिला बच्चे को जन्म दे सकेगी। 07 जुलाई को पमनानी हॉस्पिटल में ऑपरेशन के लिए बुलाया गया। इसके लिए 26 हजार रुपए लिए गए। एक घंटे बाद डॉ एसएस वर्मा ऑपरेशन थियेटर से बाहर निकले। उनके हाथ में बच्चादानी थी। राजेश ने बताया कि उन्होंने कहा ऑपरेशन कर बच्चादानी निकाल ली है। इसके बाद राजेश ने पूछा बच्चादानी क्यों निकाली? इस पर डॉक्टर वर्मा के पास कोई जवाब नहीं था। डॉ वर्मा ने कहा गलती हो गई, मैने नसबंदी खोलने की बजाय बच्चादानी निकाल ली। इसके बाद डॉक्टर महिला के पति राजेश से माफी मांगने लगे। वहीं सबकुछ ठीक करने का आश्वासन देकर 10 जुलाई तक अस्पताल में रखा। इसके बाद पत्नी को घर ले जाने की बोलकर चले गए। घटना की जानकारी राजेश ने समाजजनों को दी। शुक्रवार को समाजजनों ने डॉ एसएस वर्मा के क्लीनिक के बाहर धरना दिया। साथ ही नशे में ऑपरेशन करने का आरोप भी लगाया। इसके अलावा शहर कोतवाली थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग भी की गई है।

एट लेन से कार नीचे गिरी, दो की मौत, तीन घायल

सीतामऊ, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र के गांव चायखेडी के समीप एट लाइन से एक कार नीचे गिर गई। जिसमें 02 लोगो की मौत हो गई। जबकि, 03 अन्य घायल हो गये। कार में पांच लोग सवार थे।

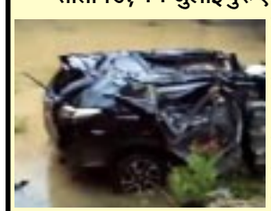

सीतामऊथाना क्षेत्र के चायखेडी के यहां एक कार सडक से नीचे उतर गई। गाडी में पांच लोग सवार थे। सभी गुजरात के रहने वाले थे। जिसमें 02 की मौके पर मौत हो गई ओर दो गंभीर रूप से घायल है, एक को हल्की चोट लगी हैं। जानकारी के अनुसार रिताम्बरा ओर श्रेयस की मौत हुई है। जबकि, बबली और कुमार आशीष घायल हैं। कार सवार बडोदरा से दिल्ली जा रहे थे। मामले में जांच जारी हैं।

विचार-मंथन

ब्रिक्स ने अमेरिका की नीतियों को दी खुली चुनौती

अमेरिका की ओर से विभिन्न देशों पर शुल्क लगाने के फैसले का शुरू से ही विरोध होता रहा है। अब ब्राजील में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र में भी इसकी कड़ी आलोचना के बाद अमेरिका की भौंहें तन गईं और उसने इसे ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीति करार दिया। साथ ही चेतावनी दी कि जो देश अमेरिका के खिलाफ इस तरह की नीतियों का समर्थन करेगा, उसे दस फीसद अतिरिक्त शुल्क का सामना करना पड़ेगा। इससे यह सवाल और गहरा हो जाता है कि क्या अमेरिका वास्तव में ब्रिक्स देशों से खुद को असहज महसूस करता है!

क्या आने वाले दिनों में अमेरिका और ब्रिक्स देशों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है? हालांकि, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका ने साफ किया है कि ब्रिक्स किसी टकराव के लिए नहीं है और न ही इसका मकसद किसी देश की मुखालफत करना है, बल्कि यह उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है।

दरअसल, अमेरिका ने इस साल अप्रैल में चीन और भारत समेत विभिन्न देशों पर शुल्क का एलान किया था। हालांकि बाद में इसे यह कहकर नब्बे दिन के लिए टाल दिया गया कि कुछ देश इस मामले में परस्पर सहमति पर विचार करने के इच्छुक हैं।

शुल्क निलंबन की इस अवधि को अब कुछ दिन और बढ़ा दिया गया है। जिन देशों पर यह शुल्क प्रस्तावित है, वे शुरू से इसका विरोध कर रहे हैं। चीन ने तो अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाने का भी एलान कर दिया था। इसी कड़ी में अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अमेरिकी शुल्क का विरोध किया गया। यह निश्चित रूप से एकजुट होकर अमेरिका पर शुल्क का फैसला वापस लेने का दबाव बनाने की रणनीति हो सकती

है। हालांकि इस सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की गैरमौजूदगी ब्रिक्स की एकजुटता पर ही सवाल खड़े करती है, क्योंकि कूटनीतिक वक्तव्यों के साथ-साथ धरातल पर एकजुटता दिखनी भी चाहिए, ताकि वैश्विक स्तर पर संयुक्त प्रयासों के महत्व को समझा जा सके। ब्रिक्स की स्थापना ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका द्वारा की गई थी। लेकिन इस समूह का पिछले वर्ष विस्तार हुआ और इसमें इंडोनेशिया, ईरान, मिस्र, इथियोपिया व संयुक्त अरब अमीरात को शामिल किया गया। नए सदस्य देशों के अलावा, इस समूह में दस रणनीतिक साझेदार देश भी शामिल हैं। असल में ब्रिक्स देशों की वैश्विक जीडीपी में हिस्सेदारी 28-30 फीसद है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के इस समूह को पश्चिमी देशों के लिए संभावित चुनौती के रूप में देखा जाने लगा है। ब्रिक्स डालर पर निर्भरता कम करने के लिए अपनी एक स्वतंत्र एवं साझा मुद्रा प्रणाली की योजना पर विचार कर रहा है। ब्रिक्स को लेकर अमेरिका के पूर्वाग्रह का यह भी एक बड़ा कारण हो सकता है।

अमेरिका का मानना है कि अगर ब्रिक्स देश भविष्य में किसी साझा मुद्रा में आपसी लेनदेन करने लगे तो इससे डालर का वर्चस्व खतरे में पड़ सकता है। जाहिर है, अमेरिका ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए हर तरह की रणनीति अपनाएगा, जिससे उसके वैश्विक हित और वर्चस्व को चुनौती की संभावना होगी। बहरहाल, ब्रिक्स देशों की इस राय के अपने आधार हैं कि अमेरिकी शुल्क विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरूप नहीं है। ऐसे प्रतिबंधों से वैश्विक व्यापार में कमी आने, आपूर्ति शृंखलाओं के बाधित होने और बाजार में अनिश्चितता पैदा होने का खतरा है।

'जल गंगा संवर्धन अभियान' से प्रदेश होगा जल-समृद्ध

लोकेन्द्र सिंह राजपूत

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने अभिनव प्रयोगों से अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं। मध्यप्रदेश में जल संरक्षण के लिए प्रारंभ हुआ 'जल गंगा संवर्धन अभियान' मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शी पहल है। निकट भविष्य में हमें इसके सुखद परिणाम दिखायी देंगे। शुभ प्रसंग पर शुभ संकल्प के साथ जब कोई कार्य प्रारंभ किया जाता है, तब उसकी सफलता के लिए प्रकृति एवं ईश्वर भी सहयोग करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर मध्यप्रदेश सरकार ने गुड़ी पड़वा (30 मार्च) से 30 जून तक प्रदेश स्तरीय 'जल गंगा संवर्धन अभियान' चलाकर जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया, जो जनांदोलन में परिवर्तित हो गया।

सरकार को भी विश्वास नहीं रहा होगा कि जल संरक्षण जैसे मुद्दे को जनता का इतना अधिक समर्थन मिलेगा कि सरकारी अभियान असरकारी बन जाएगा और समाज इस अभियान को अपनी जिम्मेदारी के तौर पर स्वीकार कर लेगा। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत और इससे प्रेरित होकर प्रदेश में अनेक स्थानों पर जल स्रोतों को पुनर्जीवित किया गया, उनको व्यवस्थित किया गया और वर्षा जल को एकत्र करने की रचनाएं बनायी गईं। कहना होगा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल और प्रतिबद्धता ने जल संरक्षण के इस अभियान को एक जनांदोलन का रूप दे दिया है, जिससे जल संरक्षण में अभूतपूर्व प्रगति हुई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को गति देने के लिए मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाबों, अमृत सरोवरों और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया है। साथ ही पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी किया गया है। इस अभियान में 2 लाख 39 हजार जलदूतों का सक्रिय सहयोग मिला, जिन्होंने जल संवर्धन के संदेश को घर-घर तक पहुँचाया। ये जलदूत जब गाँव-गाँव, नगर-नगर और घर-घर जल संरक्षण का संदेश लेकर पहुँचे तो एक सकारात्मक वातावरण भी बना और जल संरक्षण को लेकर समाज

के भीतर एक जागरूकता भी आई। निःसंदेह, यदि यह जनजागरूकता स्थायी हो जाए तो जल गंगा संवर्धन अभियान की सबसे बड़ी सफलता होगी। अभियान को शुरू करते समय सरकार ने जो लक्ष्य तय किया था, उससे कहीं अधिक परिणाम धरातल पर प्राप्त हुआ है। जल संरक्षण के लिए 38 हजार नए खेत तालाबों का निर्माण किया गया है।

खंडवा जिले में 254 करोड़ रुपये की लागत से 1 लाख से अधिक कुओं को रिचार्ज किया गया, जिसके लिए खंडवा को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इंदौर संभाग ने स्वच्छता और जल संरक्षण में नंबर-एक का स्थान हासिल किया है। ये दो प्रमुख उदाहरण हैं। प्रदेश के अन्य जिलों में भी उल्लेखनीय कार्य हुआ है। समूचे मध्यप्रदेश में 70 हजार कुओं, बावड़ियों, नदियों और तालाबों का संरक्षण किया गया, जो जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करनेवाले हैं।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरित हैं। याद हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण के लिए जनांदोलन चलाने का आह्वान किया था। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से आग्रह किया कि वह अपने स्तर पर वर्षा जल के संरक्षण के लिए प्रयास करे। प्रधानमंत्री मोदी की पहलकदमी पर भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने राष्ट्रीय जल मिशन के अंतर्गत 'कैच द रेन' अभियान को शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह अभियान व्यक्तियों, समुदायों और सभी हितधारकों को वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनाने तथा जल संरक्षण की पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इसी तर्ज पर 'जल गंगा संवर्धन अभियान' को जनता के बीच ले जाने का अनुकरणीय कार्य किया है। यह भी स्मरण रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव, दोनों ही प्रकृति, पर्यावरण एवं समाज के प्रति गहरी संवेदनाएं रखते हैं। राजनीति से इतर वे इन सब विषयों पर बात रखते हैं और लोगों को इस दिशा में प्रेरित भी करते हैं। उल्लेखनीय है कि अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 120वें संस्करण में प्रधानमंत्री मोदी ने जल संरक्षण को देश के लिए अत्यंत आवश्यक बताया था। उन्होंने जल संचय जन-भागीदारी अभियान के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि जो प्राकृतिक संसाधन हमें मिले हैं, उसे हमें अगली पीढ़ी तक सही सलामत पहुँचाना है। कहना होगा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान ने प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अकसर सरकारी अभियान विज्ञापनों एवं कागजों में दम तोड़ देते हैं या फिर उनकी सफलता सोशल मीडिया तक सीमित रह जाती है। यह आंदोलन अपने वांछित लक्ष्य से आगे निकल रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया है। उनका मानना है कि जल ही हमारे जीवन के अस्तित्व का आधार है, इसलिए इसकी एक-एक बूंद बचाना अनिवार्य है। उनकी गहरी प्रतिबद्धता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने इस अभियान की देखरेख की जिम्मेदारी सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों को सौंपी है। लोग बड़ी संख्या में श्रमदान कर पानी को बचाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। जिला प्रशासन विशेष रूप से नदियों के किनारे देशी प्रजातियों के पौधे रोप रहा है। इससे जमीन के नीचे जल-स्तर बढ़ रहा है और मिट्टी को नुकसान से बचाया जा रहा है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य कर दिया गया है।

स्कूल और कॉलेजों में जल-संरक्षण पर जन-जागरण अभियान, रैलियां, निबंध प्रतियोगिताएं, जल संवाद और 'जल प्रहरी' जैसी गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल मॉनिटरिंग और मूल्यांकन प्रणाली की व्यवस्था की गई है, जिसमें सभी गतिविधियों की जीआईएस ट्रैकिंग और इंपैक्ट वैल्यूएशन किया जा रहा है।

सरकार ड्रोन से सर्वेक्षण, वैज्ञानिक तरीके से जलग्रहण क्षेत्र की मैपिंग और भू-जल पुनर्भरण तकनीकों का उपयोग कर रही है। इन सब प्रबंधों से स्पष्ट तौर पर प्रतीत होता है कि प्रदेश सरकार का यह अभियान मुख्यमंत्री के सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यों में से एक है। इस अभियान का उद्देश्य केवल जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना ही नहीं, बल्कि उनकी निरंतर देखरेख और संरक्षण सुनिश्चित करना भी है। सरकार ने इन स्रोतों की सफाई, सीमांकन और पुनर्जीवन के लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया है। लोग बड़ी संख्या में श्रमदान कर जल संरक्षण में सहयोग कर रहे हैं।

इस अभियान के दूरगामी परिणाम अपेक्षित हैं। बारिश के मौसम में इसके और अधिक प्रभावी परिणाम दिखेंगे, जिससे भूजल स्तर में सुधार होगा, हरियाली बढ़ेगी और मिट्टी में नमी आएगी। इससे पूरे प्रदेश में जल संकट को दूर करने में सहायता मिलेगी। इसके अलावा, इस अभियान ने समाज की मनोवृत्ति पर भी सकारात्मक प्रभाव डाला है, जिससे जल संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह अभियान निश्चित रूप से मध्यप्रदेश को जल-समृद्ध राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बिहार : सवर्णों से दूरी, राजनीतिक दलों की मजबूरी

राजीव रंजन तिवारी

बिहार में विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे दल हर तरह के हथकंडे अपनाने में लगे हैं। इसमें खास ये है कि संख्या बल में अधिक गैर सवर्ण बिरादरी के मतदाताओं पर सबका ध्यान है। हर दल लगभग 84प्रतिशत वाले गैर अगड़ी जाति के मतदाताओं को लुभाने की कोशिश में है। करीब 16 प्रतिशत वाले सवर्ण मतदाताओं को सियासी अभियान में शामिल नहीं करना राजनीतिक दलों की मजबूरी जैसा प्रतीत हो रहा है। डर है कि सवर्णों को साथ जोड़ने से अन्य बिरादरी के मतदाता छिटक न जाएं। सबसे पहले बात केंद्र और बिहार में एनडीए की। बिहार में राजग में भाजपा, जदयू, लोजपा (रा), रालोमो और हम पार्टी हैं। सरकार की कमान जदयू के प्रमुख नीतीश कुमार के हाथों में है। एनडीए के घटक दलों में यदि भाजपा को छोड़ दें तो जदयू, लोजपा (रा), रालोमो और हम पार्टी का आधार वोट ही गैर सवर्ण है। हालांकि दिखावे के तौर पर इन दलों ने सवर्ण चेहरों को आगे कर रखा है। उदाहरण के तौर पर कुर्मी-कोइरी आधार मतों वाली पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा हैं। दलितों के मतों पर राजनीति करने वाली लोजपा (रा) के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी हैं। इसी तरह रालोमो और हम पार्टी की कार्यसमिति में सवर्णों की अच्छी संख्या है। दिलचस्प ये कि अधिक संख्या वाले गैर अगड़ी मतदाताओं को लुभाने के लिए इन दलों द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद अगड़ी जाति को अनदेखी करने की बात को यह कहते हुए खारिज करते हैं कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने देश में पहली बार उच्च जाति के लोगों के विकास के लिए आयोग का गठन किया था। उन्होंने कहा कि सरकार सबको साथ लेकर चल रही है। प्रसाद का मानना है कि जदयू में हर जाति-धर्म के लोगों की बराबर की हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि राजग के अन्य घटक दलों भाजपा, लोजपा (रा), रालोमो व हम पार्टी में भी हर जाति-बिरादरी के लोगों को बराबर का महत्व दिया जा रहा है। भाजपा के बिहार प्रदेश प्रवक्ता मनोज शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज को सिर्फ चार वर्गों में विभक्त किया है- किसान, नारी, युवा और गरीब। भाजपा की अवधारणा सिर्फ यही है। भाजपा सर्वजन की पार्टी है। सबको साथ लेकर चलती है। अब बात करते हैं इंडिया गठबंधन की। बिहार में इंडिया गठबंधन में राजद, कांग्रेस, भाकपा, माकपा, भाकपा (माले) और वीआइपी हैं। यहां भी कमोबेश एनडीए वाली स्थिति ही है। राजद ने बिहार में हाल ही में अति पिछड़ी जाति के बुजुर्ग नेता मंगनीलाल मंडल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। बिहार में कांग्रेस की कमान भी दलित नेता व विधायक राजेश कुमार राम के हाथों में है। वाम दलों के बारे में सबको पता है कि उनका ध्यान गैर सवर्णों पर ही ज्यादा रहता है। मुकेश सहनी वाली वीआइपी भी पूरी तरह से गैर अगड़ी की ही राजनीति करती है।

इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेता लगातार बिहार में चुनावी अभियान को अंजाम दे रहे हैं। इस अभियान को यदि आप बारीकी से देखेंगे तो इसमें गैर अगड़ी जाति की प्रमुखता की झलक दिख जाएगी। नब्बे के दशक के बाद बिहार में लालू प्रसाद के सामाजिक न्याय क्रांति के प्रादुर्भाव का असर तो हुआ है, लेकिन अब भी राज्य की सामाजिक संरचना वैसी नहीं है कि सवर्णों को नजरअंदाज किया जा सके। राज्य के अधिकांश इलाकों में यह देखने को मिलता है कि जिधर अगड़ी जाति के लोग जाते हैं, उनके पीछे ही अन्य बिरादरी के लोग चलते हैं। इंडिया गठबंधन में अगड़ी जाति की कथित उपेक्षा की बात पर राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रोफेसर नवल किशोर कहते हैं कि पार्टी प्रमुख लालू प्रसाद सामाजिक न्याय के पुरोधा हैं, इसमें कोई शक नहीं। पर, इसका मतलब यही नहीं अन्य वर्ग की उपेक्षा हो। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों में हर जाति-बिरादरी के लोगों की पर्याप्त संख्या है। किसी को यह शिकायत का मौका नहीं है कि उसकी जाति के लोगों की संख्या कम है। उन्होंने कहा कि राजद और इंडिया गठबंधन की रीति-नीति सबको साथ लेकर चलने की रही है। गठबंधन उसी पर कायम है।

वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार राम ने कहा कि इतिहास गवाह है कि कांग्रेस ने हमेशा से सबके लिए काम किया है। कांग्रेस की राजनीति में भेदभाव जैसा कोई शब्द ही नहीं है। पार्टी के नेता, कार्यकर्ता और पदाधिकारी जात-पात की बात नहीं करते। कांग्रेस का तो पुराना नारा रहा है- 'जात पर न पात पर, मुहर लगेगा हाथ पर।' राजेश राम ने कहा कि बिहार में पार्टी के कार्यकर्ता सभी को साथ लेकर चल रहे हैं और सबको बराबर की जिम्मेदारी दी जा रही है। कांग्रेस से किसी भी जाति-बिरादरी के लोगों की शिकायत नहीं है। बिहार में अगड़ी जाति की तादाद लगभग 16प्रतिशत है। इनमें भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और कायस्थ शामिल हैं। हालांकि पिछड़े-अति पिछड़े और दलित वोट बैंक की तुलना में बिहार में अगड़ी जाति की संख्या काफी कम है लेकिन समाज में इनका दबदबा है, जिस वजह से राजनीतिक तौर पर सवर्ण बेहद प्रभावशाली वोट बैंक है।

बिहार में कानून का डर खत्म

बिहार में पिछले कुछ दिनों के भीतर आपराधिक घटनाओं में जैसी तेजी आई है, उससे यही लगता है कि सरकार के हाथ से सब कुछ छूट गया है और अपराध को अंजाम देने वाले बेलगाम हैं। पिछले हफ्ते पटना में एक व्यवसायी और सीवान में तीन लोगों की हत्या की घटना से उपजा तूफान अभी शांत भी नहीं हुआ था कि सोमवार को राज्य में चौबीस घंटे में नौ लोगों की हत्या कर देने की घटनाएं सामने आईं।

सबसे दहलाने वाली खबर पूर्णिया जिले के टेटमा गांव से आई, जहां 'जादू-टोना' के संदेह में एक ही परिवार के पांच लोगों को क्रूरता से मारा-पीटा गया और फिर जिंदा जला दिया गया। इस घटना की जड़ें अंधविश्वास और अराजकता से जुड़ी हुई हैं, जिसमें कहीं से ऐसा नहीं लगता कि वहां सरकारी तंत्र की मौजूदगी रही हो या फिर वहां लोगों के भीतर पुलिस या कानून का कोई भय हो। गौरतलब है कि एक बच्चे की बीमारी नहीं ठीक हो पाने के बाद कुछ लोगों ने 'डायन'

बता कर एक ही परिवार के पांच लोगों की जान ले ली। इस घटना के दौरान वहां दो सौ से ज्यादा लोगों की भीड़ मौजूद थी और अराजकता चरम पर थी। निश्चित तौर पर यह कानून-व्यवस्था की नाकामी है, लेकिन हकीकत यह भी है कि बहुत सारे लोगों को अंधविश्वास के अंधेरे में जीने-मरने के लिए छोड़ दिया गया है! एक ओर, विज्ञान की उपलब्धियों के रोज नई ऊंचाइयों को छूने का जश्न मनाया जाता है, वहीं वैज्ञानिक चेतना से दूर बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जो तंत्र-मंत्र और अंधविश्वास में आकर किसी की हत्या करने से भी नहीं हिचकते।

जबकि यह उन्हें कानून के कठघरे में खड़ा कर सकता है और कई लोगों की जिंदगी जेल में कट सकती है। 'डायन' जैसे अंधविश्वास की वजह से आए दिन वंचित तबकों की महिलाओं की हत्या कर दिए जाने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। यह अफसोसनाक है कि ऐसे मौकों पर सरकार कानूनी कार्रवाई की औपचारिकता तो पूरी करती दिखती है, लेकिन इस समस्या की जड़ों पर चोट करने के लिए बहुत सक्रिय नहीं होती। जब तक समाज में अंधविश्वास पर आधारित धारणाओं को दूर करने के लिए ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम नहीं किया जाता, तब तक लोगों को इसके मकड़जाल से निकालना मुश्किल होगा।

जावद में बूथ लेवल अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

नीमच, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, म.प्र.भोपाल के निर्देशानुसार बूथलेवल अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 230 जावद के बीएलओ का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में कुल 218 बीएलओ एवं 22 सुपरवाईजरों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण, मास्टर ट्रेनर सर्वश्री नृसिंह जाट, हरचरणजीत सिंह वालिया, घीसालाल धनगर, नन्दकिशोर नागदा, आरके मीणा, कुंज बिहारी कारपेंटर, सत्यनारायण कछवाह एवं महेश सिसोदिया ने दिया। प्रशिक्षण में फार्म 6, 7 एवं 8 को भरने की प्रक्रिया एवं आयोग के सभी नियम निर्देशों को विस्तृत रूप से समझाया। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस शुक्रवार कोक अनुविभागीय अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्रीमती प्रीति संघवी (नाहर) ने सभी बूथ लेवल अधिकारियों से अपेक्षा की कि आयोग के निर्देशानुसार जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है, उसका उपयोग अपने मतदान क्षेत्र पर करें एवं अधिक से अधिक मतदाताओं को वोटर हेल्पलाईन के संबंध में जागरूक करें। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण एवं तहसीलदार श्री नवीन गर्ग ने भी बीएलओ से प्रशिक्षण गंभीरता से लेने की अपेक्षा की।

बड़े अस्पताल में साठगांठ से डॉक्टर मरीजों को बाहर की दवाइयां व महंगी जांचें धड़ल्ले से लिख रहे

कलेक्टर तुरंत जांच कर उचित कार्यवाही करे-शर्मा

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। वर्तमान में जिले के सबसे बडे सरकारी अस्पताल में डॉक्टर्स द्वारा मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध दवाओं की बजाय बाहरी मेडिकल स्टोर्स से महंगी दवाइयाँ खरीदने हेतु बाध्य किया जा रहा है। इतना ही नहीं, अस्पतालों में उपलब्ध जाँच सुविधाओं के बावजूद मरीजों को महंगी प्राइवेट लैब में जाँच करवाने के लिए कहा जा रहा है।जो कि गैरकानूनी हे।

उक्त वक्तव्य अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत सह सचिव नवनीत शर्मा ने जारी कर बताया कि सरकार गरीब मरीजों को अस्पतालों में सभी तरह की दवाइयां नि:शुल्क उपलब्ध करवा रही हे ताकि प्रायवेट हॉस्पिटल के भरी भरकम खर्चे से गरीब आदमी बच जाए परंतु वर्तमान में जिला अस्पताल में साठगांठ से कई डॉक्टर्स गरीब मरीजों को जानबुझकर बाहर की महंगी दवाई खरीदने को बाध्य करते हे साथ ही कई प्रकार की महंगी जांचे भी इनके द्वारा लिखी जाती हे जबकि अस्पतालों में सभी गंभीर बीमारी की दवाइयां एवं सभी तरह की जांचों की व्यवस्था सरकार द्वारा की जा चुकी हे।यह स्थिति न केवल गरीब और निम्न आयवर्ग के मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है, बल्कि सरकारी चिकित्सा व्यवस्था की विश्वसनीयता को भी प्रभावित कर रही है। जब सरकारी अस्पतालों को पर्याप्त दवाइयाँ और जाँच सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं, तो फिर मरीजों को बाहर भेजना किस उद्देश्य से हो रहा है, यह समझ से परे है।इस तरह की प्रथा से यह संदेह उत्पन्न होता है कि कहीं कुछ डॉक्टर्स बाहरी दवा कंपनियों या प्राइवेट लैब्स के साथ गठजोड़ में तो नहीं हैं, जो चिकित्सा सेवा के नैतिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। इससे गरीब वर्ग के लोगों का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं से भरोसा उठता जा रहा है।

दशपुर रंगमंच ने अभिनेता गुरुदत्त और संजीव कुमार का जन्मदिन गीतों की प्रस्तुतियों के साथ मनाया

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नगर की सांस्कृतिक संस्था दशपुर रंगमंच द्वारा फिल्म अभिनेता गुरु दत्त और संजीव कुमार का जन्मदिन उनकी फिल्मों के गाए गए गीतों की प्रस्तुति के साथ बड़े ही भावपूर्ण ढंग से मनाया। संस्था के संस्थापक अभय मेहता ने बताया कि गुरुदत्त और संजीव कुमार का एक ही दिन में जन्म होना एक अनूठा संयोग है, और दोनों की प्रतिभा और अतिरंजित जीवन यात्रा भी कुछ मिलती-जुलती थी। गायकों ने प्रस्तुति देते हुए आबिद शाह ने तुम्हारी जुल्फ़के साए में शाम कर लूँगा गाया। अभय मेहता ने चौदहवीं का चाँद हो या आफताब हो प्रस्तुत किया। सतीश सोनी ने इस भरी दुनिया में कोई भी हमारा न हुआ से जुड़ा दर्द बयां किया। स्वाति रिच्छावरा ने वक्त ने किया क्या; हंसी सितम गीत को अपनी आवाज़ दी। ललिता मेहता ने जाने वो कैसे लोग थे जैसे ऐतिहासिक गीत से रंग बढ़ाया। राजा भैया ने ओ फिरकी वाली तू कल फिर आना से मनोरंजन का तड़का लगाया। गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में गुरु भक्ति से प्रेरित भजनों का भी कार्यक्रम में समावेश हुआ जिसमें राजा भैया ओ गुरुवर थारो चेलो बनु में , स्वाति रिछावरा भक्ति की है रात- दादा आज थाने आणो है व अभय मेहता ने गुरुदेव तुम्हारे चरणों में वंदन बारंबार सुनाया।

सरस्वती विद्या मंदिर आवासीय विद्यालय में गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आवासीय विद्यालय में आज गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. योगिता सोमानी द्वारा भैया/बहिनों को गुरु पूर्णिमा का महत्व बताया गया गुरु के बिना ज्ञान प्राप्त नहीं होता है, उन्होंने गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर सभी को अपनी शुभकामनाएं दी और जीवन में सफल होने के लिये दृढ इच्छा शक्ति का संकल्प दिलवाया। अतिथि का परिचय विद्यालय के प्राचार्य श्री महेश वशा ने दिया। इस अवसर पर भैया/बहिनों ने यजुर्वेद के श्लोक, गीत, भजन, गुरु शिष्य परम्परा आदि पर अपनी प्रस्तुतियां दी। आचार्य हरिओम शर्मा ने गुरु और शिष्य के महत्व को बताया, गुरु के बिना ज्ञान अधुरा है, अर्जुन के गुरु भगवान श्री कृष्ण थे। उन्होनें कर्म की शिक्षा दी और सदा सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। अतिथि स्वागत विद्यालय की दीदी श्रीमती कुसुम तिवारी एवं श्रीमती सविता बग्गड ने किया। आभार आचार्य श्री प्रवीण योगी ने माना। कार्यक्रम का संचालन सुश्री कविता शर्मा ने किया। उक्त जानकारी पंकज पोरवाल ने दी।

शिक्षकों को फिर सौपा गया गैर शैक्षणिक कार्य

मन्दसौर। मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के कार्यकारी प्रांत अध्यक्ष के प्रांताध्यक्ष सतीश शर्मा,हरीश नामदेव प्रदेश संगठन प्रभारी एनडी वैष्णव, सुरेश शर्मा, बाबूलाल भीरमा ,सलमा शाह, राजेश कुमार पांडे ,रोशन बाबू नीलगर,कमल राठौर आदि ने मांग की है कि एक तरफ शासन की ई अटेंडेंस पर जोर दे रहा है और शिक्षकों को उनके विद्यालय में रहना जरूरी है, शिक्षक अपना काम इमानदारी से अपने विद्यालय में अपनी रहकर करना चाहते हैं, किंतु बार-बार आदेशों के बावजूद भी शिक्षकों को थोकबंद गैर शैक्षणिक कार्य में जोता जा रहा है। वर्तमान में जो बूथ लेवल अधिकारी के रूप में नियुक्तियां हुई है उससे यह लगता है कि ई अटेंडेंस मजाक बनकर रह गई है, क्योंकि पूर्व में जो काम आंगनवाडी कार्यकर्ता ,आशा कार्यकर्ता करती थी निर्वाचन नामावलियों के संशोधन का कार्य वही बूथ लेवल अधिकारी होती थी। किंतु अब फिर से शिक्षकों को बूथ लेवल अधिकारी बना दिया है, उन्हें अगर उन्हें के संस्था में यस कई शिक्षकों के तो विद्यालय ग्राम के साथ ही संकुल छोड़कर दूसरे विकासखंड में बूथ लेवल अधिकारी बना दिया है।

कर्मचारी कॉलोनी वार्ड नं. 39 में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

नपा द्वारा बगीचे का नामकरण सिन्दूर उद्यान किया गया, कई जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण हुए शामिल

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शुक्रवार को वार्ड क्र. 39 की पार्षद श्रीमती भारती धीरज पाटीदार के जन्मदिवस पर नपा परिषद के द्वारा उनके वार्ड में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। नपा परिषद के द्वारा फार्मेसी कॉलेज के समीप स्थित कर्मचारी कॉलोनी में यह पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ इसमें बडी संख्या में वार्ड के गणमान्य नागरिकगण एवं नगर के पूर्व सैनिक वं उनके परिवारजन भी शामिल हुए और उन्होंने सामूहिक रूप से एक पेड सैनिक के नाम एवं एक पेड मॉ के नाम लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प व्यक्त किया। क्षेत्र के नागरिकों की मांग पर नपा परिषद के द्वारा इस उद्यान का नामकरण सिन्दूर उद्यान रखे जाने की घोषणा भी की गई। नपा परिषद ने इस उद्यान की वायरफेंसिंग कार्य कराकर इस उद्यान को सुंदर उद्यान के रूप में विकसित करने की योजना बनाई हैं पौधरोपण कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्षगण श्री मदनलाल राठौर, नानालाल अटोलिया, जिला उपाध्यक्ष शिवराजसिंह राणा घटावदा, समाजसेवी रमेशचन्द्र चन्द्रे,, डॉ. आर.सी. देवडा, श्रवण कुमार

त्रिपाठी, भाजपा पिछडा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, लॉ कॉलेज सचिव रघुवीरसिंह चुण्डावत, भाजपा मण्डल अध्यक्षगण अरविन्द सारस्वत, विनोद डगवार, मण्डल महामंत्री केसरीमल जटिया, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती भारती पाटीदार मंचासीन थे। इन सभी अतिथिगणों के द्वारा मंदसौर नगर एवं आसपास के क्षेत्रों के पूर्व सैनिकों एवं उनकी धर्मपत्नी का मंच पर बुलाकर उनका शाल श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। सभी पूर्व सैनिकों ने पौधरोपण भी किया। कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथिगणों, गणमान्य नागरिकों ने क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती भारती धीरज पाटीदार का माला पहनाकर स्वागत कर उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं भी दी। कार्यक्रम में नपा सभापतिगण रमेश ग्वाला, दीपमाला रामेश्वर मकवाना, पार्षद गोवर्धन कुमावत, सुनीता भावसार, सुनीता गुजरिया, नरेन्द्र बंधवार, अमन फरक्या, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रीति रोखले, महिला मोर्चा अध्यक्ष निर्मला गुप्ता, विष्णुप्रसाद पाटीदार, सुरेन्द्र गौड़, जोरावसिंह भाटी, गणेशराम राठौर, धर्मपालसिंह देवडा, एमएस चौहान, लोकेन्द्रसिंह चुण्डावत, सत्यनारायण भावसार, शंभुसिंह चुण्डावत, मनीष भावसार, चन्द्रपालसिंह डोडिया, अर्जुन बैरागी, लालसिंह शक्तावत, सुधांशु भावसार, मुकेश सोनी, दिनेश पाटीदार, प्रहलादसिंह राठौर, नरेन्द्र खरवाल, पवन पाटीदार, ऋषिराज गुर्जर, बसंत परमार, डॉ. गौतम वप्ता, विजेन्द्रसिंह चुण्डावत, रमेश काबरा, पियुष जैन, रॉकी यादव, सुनील योगी, सुनील पाटीदार, शुभम जैन, एड. करण परिहार, उषा कुमावत, बिन्दू चन्द्रे भी उपस्थित थे।

पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया ने कहा कि आज नपा के द्वारा सिन्दूर उद्यान के नामकरण कर यहां पौधरोपण की जो शुरूआत की है उसके लिये नपाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय पार्षद दोनों बधाई की पात्र. है। प्रधानमंत्री मोदीजी ने ऑपरेशन सिन्दूर के माध्यम से पाकिस्तान को जो सबक सिखाया है उसकी स्मृति चिर स्थायी बनी रहे इसके लिये नपा की उद्यान नामकरण की पहल सराहनीय है। इस मौके पर आपने देश एवं प्रदेश की सरकारों के विकास के कार्यों का उल्लेख भी किया । भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष श्री मदनलाल राठौर ने कहा कि सैनिकों की वीर गाथायें विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में जोडी जा रही है। पर्यावरण संरक्षण के लिये जरूरी है कि हम लगातार तीन वर्ष तक पौधों की देखरेख करे। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, भाजपा मण्डल अध्यक्ष अरविन्द सारस्वत ने भी अपने विचार रखे। स्वागत उद्बोधन क्षेत्रीय पार्षद भारती पाटीदार ने दिया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व सैनिक मुकेश गुर्जर ने किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत चयनित हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र बाटे गये, भूमिपूजन कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नपा परिषद मंदसौर के द्वारा कल शुक्रवार को नपा सभागृह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इंदौर में आयो जित बिलियन्ट कन्वें शन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत चयनित 65 हजार से अधिक हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहनजी यादव ने आवासों की कुल अनुदान राशि रूपये 1,513.53 करोड रू. का ऑनलाइन आवंटन किया। नगरपालिका सभागृह में इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दीक्षित, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, भाजपा मण्डल अध्यक्षगण अरविन्द सारस्वत, विनोद डगवार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवराजसिंह राणा घटावदा, नपा सभापति रमेश ग्वाला मंचासीन थे। कार्यक्रम में नपा सभापति निलेश जैन, निर्मला चंदवानी, दीपमाला मकवाना, पार्षदगण आशीष

गौड, सुनीता भावसार, माया भावसार, गोवर्धन कुमावत, भारती पाटीदार, अमन फरक्या, राकेश भावसार, सिटी मिशन के अजय शर्मा, प्रधानमंत्री आवास योजना के अक्षय जैन किशोर जाटव, बाबूलाल प्रजापत सहित गणमान्य नागरिकगण भी उपस्थित थे।

नगरपालिका सभागृह में नगर की सीमा क्षेत्र में बनने वाले नवीन स्वीकृत 199 आवासों के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्रों का वितरण भी किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दीक्षित ने कहा कि आज मंदसौर नगर के 199 हितग्राहियों को 4 करोड 97 लाख रू. की राशि उनके खाते में मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री मोदीजी ने पक्के मकान के सपने को साकार किया है। राष्ट्रवादी पार्टी होने के कारण भाजपा ने सभी वर्गो के हितों की चिंता की है। विरोधी दलों के लोगों ने केवल वोट बैंक की राजनीति की है। आमजनता को विकास करने वाली पार्टी भाजपा और अन्य दलों के बीच अंतर है उसे समझना चाहिये। पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने कहा कि आवास के हितग्राही प्रधानमंत्री मोदीजी को पोस्टकार्ड लिखे और उन्हें धन्यवाद दे और उन्हें सुझाव दे कि दूसरी व तीसरी मंजिल के निर्माण के लिये भी राशी दे ताकि परिवार बडा होने के कारण हितग्राही को बडा आवास मिल सके। आपने यह सुझाव भी दिया कि नपा परिषद सभी 40वार्डों से गरीब बेटियों का चयन कर नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन करे। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि आज हितग्राहियों के घर का जो सपना था वह साकार होने जा रहा है। हितग्राहियों को पहली किस्त मिलते ही वे आवास का कार्य प्रारंभ करे। कार्यक्रम का संचालन चन्द्रशेखर नागदा ने किया तथा आभार सभापति रमेश ग्वाला ने माना। वार्ड क्र. 9 में हुआ भूमिपूजन- प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत चयनित हितग्राही श्रीमती कलाबाई पति स्व. राजू सोलंकी निवासी मित्र वत्सला भवन के पास वार्ड क्र. 9 में बनने वाले नवीन प्रधानमंत्री आवास का भूमिपूजन नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, गरोठ जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री रणजीतसिंह चौहान, भाजपा मण्डल अध्यक्षगण अरविन्द सारस्वत, विनोद डगवार एवं क्षेत्रीय पार्षद निलेष जैन के द्वारा किया गया। भूमि पूजन के अवसर पर हितग्राही एवं आसपास के निवासियों के द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत माला पहनाकर एवं पुष्पवर्षा कर किया गया।

प्रशासन ने चेनपुरा में शासकीयभूमि से हटाया अतिक्रमण

नीमच, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के समक्ष जनसुनवाई में अन्नू कुँवर पति गोवर्धन सिंह राजपूत निवासी ग्राम चैनपुरा द्वारा शिकायत की जा रही थी कि गांव के ही मांगू सिंह पिता भारत सिंह राजपूत द्वारा उसकी जमीन के आगे पक्का निर्माण किया जा रहा है और उसका आने. जाने का रास्ता रोक दिया है। तहसीलदार नीमच ग्रामीण श्री संतोष कुमार ने बताया कि जांच में पाया गया कि अन्नू कुँवर का रास्ता मुख्य मार्ग से होकर है और चालू है। दोनों पक्ष शासकीय भूमि पर अतिक्रमण को लेकर आपस में विवाद कर रहे थे। न्यायालय तहसीलदार नीमच ग्रामीण में प्रकरण दर्ज करके उभयपक्षों की सुनवाई की गई और शासकीय भूमि पर अतिक्रमण पाए जाने पर दोनों पक्षों के विरुद्ध बेदखली आदेश जारी कर स्वयं से अतिक्रमण हटाने हेतु समय दिया गया ।परंतु अतिक्रमणकारियों ने अपना अतिक्रमण नहीं हटाया। इस पर एसडीएम श्री संजीव साहू के मार्गदर्शन तहसीलदार नीमच ग्रामीण श्री संतोष कुमार ने शुक्रवार को राजस्व विभाग

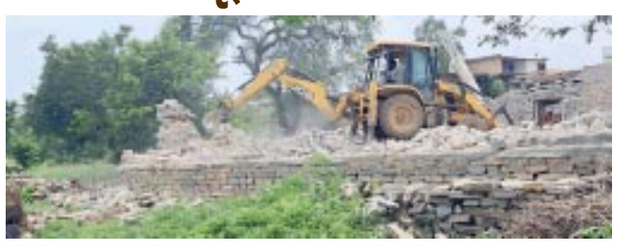

की टीम के साथ ही ग्राम पंचायत के सहयोग से मौके से अतिक्रमण हटाकर ग्राम के बीच स्थित 0.11 हेक्टेयर बहुमूल्य शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त करवाया गया है। उल्लेखनीय है कि जिला कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन एवं राजस्व विभाग द्वारा जिले में शासकीय जमीनों के संरक्षण के लिए और रास्ता विवादों के निराकरण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं।

नरवाई प्रबंधन में उपयोगी यंत्र हैप्पी सीडर और सुपर सीडर अनुदान पर खरीदने हेतु ऑनलाईन आवेदन करे

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सहायक कृषि यंत्री मंदसौर द्वारा बताया गया कि कृषि अभियांत्रिकी विभाग के ऑनलाईन पोर्टल ई-कृषि यंत्र अनुदान (वेबसाइट:-dbt. mpdage. org) पर यंत्र हैप्पी सीडर और सुपर सीडर के आवेदन कर सकते है। हैप्पी सीडर में आगे की तरफ विशेष प्रकार की ब्लैड की श्रंखला लगी हुई होती है जो खेत में उगे हुए खर पतवार और बचे हुए फसल अवशेषों को बारीक काटते हुए बिना जुताई के सीधे बुवाई करने का कार्य करता है और सुपर सीडर हल्की जुताई करने के साथ बुवाई का कार्य एक ही बार में करता है। हैप्पी सीडर और सुपर सीडर के उपयोग से रबी की फसल की बुवाई 15 से 20 दिन जल्दी की जा सकती और बिना जुताई और हल्की जुताई के साथ बुवाई करने से खेत की मिट्टी में उपलब्ध नमी का उपयोग फसल के अंकुरण में हो जाता है। जिससे फसल को एक सिंचाई की कम आवश्यकता रहती और दो बार का कार्य एक ही बार में हो जाने से लागत में भी कमी आती है । हैप्पी सीडर की अनुमानित कीमत 1.5 से 2 लाख रूपये है जिस पर शासन द्वारा यंत्र की कीमत का 50% या अधिकतम 81400 से 86400 रूपये तक का अनुदान और सुपर सीडर की अनुमानित कीमत 3 लाख रूपये है जिस पर शासन द्वारा 50% अधिकतम 1.2 लाख रूपये तक अनुदान देय है। आवेदन हेतु पात्रता/ आवश्यक दस्तावेज की सूची- आधार कार्ड, जमीन की खतौनी / इ1, ट्रेक्टर (45HP से अधिक) का पंजीयन प्रमाण पत्र (R.C.), SC/ST वर्ग हेतु जाति प्रमाण पत्र, कृषक के बैंक खाते की छाया प्रति। सहायक कृषि यंत्री मंदसौर के नाम से 4500 रु. का बैंक डिमांड ड्राफ्ट (डी.डी.) जो आवेदक के स्वयं के खाते से बना हो।

विश्व जनसंख्या दिवस पर कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आज दिनांक 11 जुलाई, 2025 को सांदीपनि महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या विद्यालय, मंदसौर में विश्व जनसंख्या दिवस पर संगोष्ठी एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर व्याख्याता रेनुका ने परिवार नियोजन को लेकर छात्राओं से चर्चा करते हुए बढती जनसंख्या से पैदा हो रही परेशानियों के बारे में भी जानकारी प्रदान की। सीबीसी प्रभारी देवेन्द्र कुमार ने बताया कि विश्व की जनसंख्या 8 अरब को भी पार कर चुकी है। बढती हुई जनसंख्या से पर्यावरण, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पैदा हो रही समस्याओं पर भी प्रकाश डाला गया। भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यालय की छात्राओं ने भी अपने विचार प्रकट किये। जिसमें कल्पना माली, तनुश्री एवं आंचल बैरागी को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अभा साहित्य परिषद की 'गुरवे नम:' काव्य गोष्ठी संपन्न

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय साहित्य परिषद की गुरवे नम: काव्य गोष्ठी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका गोस्वामी के मुख्य आतिथ्य, पूर्व प्राचार्य बी आर नलवाया की अध्यक्षता एवं पं. देवेश्वरजी जोशी के विशेष आतिथ्य तथा श्री अजय डांगी, श्रीमती चंदा डांगी, अजीजुल्लाह खान, प्रकाश कल्याणी, दिलीप जोशी, सुधा कुर्मी, आदर्श प्रजापत, धुरव जैन, कुमार विजय, युवराज सिंह, राजा भैया, आशीष मराठा, प्रकाश कल्याणी, श्याम सुंदर, राजा भैया, निरंजन भारद्वाज, राहुल राठौर की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य बी.आर. नलवाया, नंदकिशोर राठौर, अजीजुल्लाह खान, योग गुरु राजकुमार अग्रवाल एवं संगीत गुरु आशीष मराठा का सम्मान संस्था के सदस्यों ने शाल एवं माला से किया।

कार्यक्रम की शुरुआत श्याम सुंदर के द्वारा सरस्वती वंदना वीणा वादिनी ज्ञान की देवी अपनी दया बरसा देना से हुई। इस अवसर पर पं. देवेश्वर जोशी व पूर्व प्राचार्य श्री नलवाया रा गुरु पूर्णिमा के महत्व को प्रदर्शित किया। मनीष कनोदिया, राजकुमार अग्रवाल, राहुल राठौर, आशीष मराठा, आदर्श प्रजापति ने गुरु विषय पर गीत प्रस्तुत किया। कवि युवराज ने काव्य अंधियारे में सजाऐ सपनों को एक गुरु ने ही प्रकाश दिया धुरव जैन ने जो रिश्ता है धूप का सूरज से वह रिश्ता गुरु और मेरा है , अजय दांगी ने वर्षों कीं आदतें दिखती जिंदगी कीइमारतें श्रीमती चंदा डांगी ने नमन किया गुरुवर होते नहीं कुछ काज , कुमार विजय ने जीवन की पतवार गुरु जीवन की शुरुआत गुरु नरेंद्र भावसार ने सुख-दुख का उपवन देखा है हमने भी थोड़ा जीवन देखा है राहुल राठौर ने गुरुवर मेरी अंगुली थामो में हूं एक उलझा प्राणी कविता का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र भावसार ने किया एवं आभार नंदकिशोर राठौर ने माना।

सावन के पुरे माह करेंगे पौधा रोपण, पांच हजार पौधे लगाने का संकल्प

श्री श्री मॉ शक्ति सेवा संस्थान द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधा रोपण किया गया

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सावन माह के प्रथम दिवस पर पर्यावरण को बडावा देने का संकल्प लेते हुए पुरे माह में 5000 पौधे लगाने का संकल्प के साथ शुक्रवार को अम्बे माता मंदिर परिषद में वृहद पौधा रोपण अभियान की शुरूवार की गइ। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री व प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा चलाए जा रहे एक पेड मां के नाम अभियान के तहत मंदसौर जिले की मल्हारगढ तहसील में श्री श्री मॉ शक्ति सेवा संस्थान द्वारा पौधा रोपण किया गया। संकल्प लिया गया कि इस अभियान में हम अधिक से अधिक पौधे लगाएंगे और संस्था द्वारा लोगों को जागरूक किया जाएगा। आम जनता को जागरूक किया जायेगा की वह संस्था के माध्यम से जन्मदिन, शादी की सालगिरह पर अधिक से अधिक पौधे लगाए और पर्यावरण बचाव के तहत सभी अपनी भूमिका निभाई वृक्षारोपण अम्बे माता मंदिर पर किया गया कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक प. गोपाल तिवारी, समाजसेवी महेश दुबे, भागवताचार्य प. कृष्ण वल्लभ शास्त्री, संस्था सचिव राधिका तिवारी, जनपद सदस्य अर्चना टॉक, लालचंद गुर्जर एवं कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टीम एवीएस मंदसौर नगर कार्यकारिणी घोषित

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पांच बिंदुओं पर कार्य करती हुई टीम एवीएस ने आज नगर कार्यकारिणी की घोषणा करी। धर्म, पर्यावरण, मदद, स्वास्थ्य, योगासन पर कार्य करते हुए जिसमें नदी मुख्य अभियान है इस कार्य को आगे बढाने के लिए मंदसौर कार्यकारिणी को घोषित किया गया।

उक्त जानकारी देते हुए संस्थापक मनीष भावसार ने बताया कि संरक्षक के रूप में डॉक्टर रविंद्र पांडे, प्रदीप चौधरी, गौरव अग्रवाल, जगदीश मंडवारिया, विक्रम भटनागर, घनश्याम बटवाल, सुनील बंसल, महेश भावसार मार्गदर्शक - प्रद्युम्न शर्मा, ज्योति जाजपुरिया , दीपक बडसोलिया, विजय राठौर, धर्मेंद्र रामावत प्रवीण शर्मा , अजीजुल्लाह खान। परामर्श दाता- राजेश बोहरा , गौरव शर्मा भगवती बोरीवाल, धर्मेंद्र सांखला, मनीष बग्गा राम अटेला, गोपाल दीवान । नगर संयोजक - अरुण भावसार सहसंयोजक- हेमंत सुरा, अमन फरक्या, नरेंद्र बंधवार, सांवलिया भावसार, रमेश ब्रिजवानी, दीपक गजवा, हितेश गुर्जर। सहसंयोजक- अंकित माहेश्वरी, निलेश कुमावत ,राहुल प्रजापत , अशोक सोनी अंकुश डबकरा । अध्यक्ष - राजेश मेढतवाल, उपाध्यक्ष विपिन भादरिया, धर्मेंद्र साहू, अनिरुद्ध पालीवाल, अनूप परमार राजेंद्र बंजारिया, गणेश फव्वार, दीपक तिवारी आदित्य मारोठिया । सचिव- दिलीप लक्षकार, सहसचिव- संदीप नामदेव, कमलेश गढिया, शौकीन नलवाया, राजेश सोलंकी, भारत हलकारा! कोषाध्यक्ष- नितिन भावसार सहकोषाध्यक्ष- पंकज सांखला, नितिन शर्मा। समन्वयक- राजा ठाकुर मीडिया प्रभारी - पंकज श्रीवास्तव, सह मीडिया प्रभारी- रजत सोनी संगठन मंत्री - घनश्याम बैरागी। धार्मिक कार्य संयोजक - सूरज जोशी, सत्यनारायण जटिया, राहुल द्विवेदी पर्यावरण कार्य संयोजक- किशोर टेलर दीपेश भावसार।

गौ रक्षा दल मध्य प्रदेश जिला मंदसौर के जिला उपाध्यक्ष बने हरीश टेलर

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गौ रक्षा दल के प्रदेश मिडिया प्रभारी विक्रम सिंह सोनगरा ने जानकारी देते हुए बताया कि देश भर मे चल रहे गौ रक्षा हेतु निस्वार्थ भाव से गौ सेवा करने वाले को गौ रक्षा दल संगठन से जडा जा रहा है आज गौ रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश कुमार प्रधान मध्य प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष गोपाल सिंह सिसोदिया प्रदेश महासचिव विनोद पाटीदार प्रदेश उपाध्यक्ष शुभम सिंह राणावत प्रदेश संगठन मंत्री रुद्रप्रताप सिंह के समस्त कार्यकारणी के आदेशानुसार मंदसौर जिला उपाध्यक्ष के रूप में हरीश टेलर व तहसील अध्यक्ष के रूप में धर्मेंद्र मीणा को नियुक्त किया जाता है हमें आशा ही नहीं संपूर्ण विश्वास है कि आप गौ रक्षा के प्रति अपने तन मन धन एवं पूरी लगन से कार्य करेंगे सभी पदाधिकारीयों ने व्हाटसएप ग्रुप के माध्यम से बंधाई एव शुभकामनाएं दी!

दलौदा पब्लिक स्कूल में शिक्षकों का किया सम्मान

दलौदा, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। दलौदा पब्लिक स्कूल दलौदा में गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर शिक्षकों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से नृत्य, नाटक, भाषण और कविता पाठ आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के शुभारंभ में महर्षि वेदव्यास के छायाचित्र का पूजन अर्चन स्कूल संचालिका महोदया श्रीमती सोनाली जैन और प्राचार्य श्री विनय खेत्रा और शिक्षकों के द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्कूल में गुरु द्रोणाचार्य व शिष्य एकलव्य के जीवन पर गुरु दक्षिणा संबंधित मनमोहक नाट्य प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री विनय खेत्रा ने बच्चों को शिष्य के जीवन में गुरु के महत्व पर कर उदाहरण के साथ प्रकाश डाला। विद्यालय में आयोजित गुरु पूर्णिमा पर्व के इस कार्यक्रम के अवसर पर कार्यक्रम का संचालन छात्रा महिमा धाकड ने किया एवं आभार शिक्षक हरीश पाटीदार ने व्यक्त किया।

गुरु पूर्णिमा पर्व पर आयोजित किए कार्यक्रम

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आर्ट ऑफ़ लिविंग मंदसौर द्वारा गुरु पूर्णिमा पर संस्था के संकल्प साधना, सेवा तथा सत्संग के विभिन्न कार्यक्रम आत्मीयता के साथ आयोजित किए गए।

प्रात: काल गुरु तत्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए साधकों ने योग साधना, सुदर्शन क्रिया, गुरु पूजा की गई। तत्पश्चात सेवा प्रकल्प के तहत महाकाल गार्डन, मेघदूत नगर में वृक्षारोपण किया एवं लगाए गए पौधों को नियमित देखभाल की जवाबदारी साधकों द्वारा ली गई। दोपहर में आलोक हॉस्पिटल के साथ संयुक्त रूप से लगाए गए नेत्र परीक्षण शिविर में कई लोगों की आंखों की जांच एवं परामर्श दिया गया। रात्रि में राजेंद्र रिसॉर्ट में दिव्य एवं भव्य सत्संग का आयोजन किया गया जिसमें जावरा से पधारे श्री दीपेश भैया एवं मंदसौर के श्री किशोर भैया द्वारा सुमधुर भक्ति भाव से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति की गई। गणेश ओम गणेश ओम, गुरु ओम गुरु-गुरु नमो नम:, गुरु मात पिता, जय शिव ओंकारा, नारायण नारायण जय जय गोविंद हरे जैसे भजनों से पूरा वातावरण आध्यात्मिक हो गया भक्ति भावों के साथ सभी साधक झूम उठे। सभी कार्यक्रमों में बडी संख्या में गुरू भक्त उपस्थित रहे।

जनसंख्या स्थिरीकरण माह के शुभारंभ पर जागरूकता रैली आयोजित

नीमच, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण दिवस 11 जुलाई 2025 के अवसर पर जनजागरूकता रैली का आयोजन स्वास्थ्य विभाग नीमच द्वारा किया गया। रैली को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.डॉ.आर.के. खद्योत, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. महेन्द्र पाटील, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बी.एल. सिसोदिया, खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय भारती ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

इस अवसर पर डॉ खद्योत, ने बताया, कि पूरे देश के साथ ही जनसंख्या स्थिरीकरण अभियान जिले में 11 जुलाई से 11 अगस्त 2025 तक सेवा प्रदायगी माह के रूप में मनाया जा रहा है। इस माह में जिले के विभिन्न अस्पतालों में नसबंदी शिविरों का आयोजन किया जावेगा। शासन द्वारा जनसंख्या स्थिरीकरण के लिये विशेष प्रयास किये जा रहे है जिसमें अंतर्गत

बास्केट आफ च्वाईस हितग्राहियों का उपलब्ध कराई जा रही है, इसमें हितग्राही निरोध, माला डी., माला एन. गर्भनिरोधक गोली छाया, आकस्मिक गर्भनिरोधक गोलिया, अंतरा इंजेक्शन में अपनी इच्छानुसार साधन का चयन कर सकता हैं। इसके साथ ही स्थाई गर्भनिरोधक के रूप मे महिला एंव पुरुष नसबंदी की सेवाए भी जिले मे लगातार प्रदान की जा रही है। जागरूकता रैली में 22 जुलाई से प्रारंभ होने वाले दस्तक अभियान के सम्बन्ध में भी आमजनों को जागरूक किया गया। रैली में दस्तक अभियान में प्रदान की जाने वाली गतिविधियों एवं स्टाप डायरिया अभियान की तख्तियों के माध्यम से जागरूक किया गया। रैली जिला चिकित्सालय नीमच से प्रारंभ होकर एस.पी.आफिस, फव्वारा चौक, बस स्टैण्ड, कमल चौक फुट मार्केट होते हुए पुन: जिला चिकित्सालय पर समाप्त हुई। रैली में उपस्थित स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा पर्यवेक्षक, आशा कार्यकर्ता, शहरी आशा कार्यकर्ता हाथों में तख्ती लेकर सिमित परिवार के लाभ एवं दस्तक अभियान के बारे में बताते हुए नारे लगाकर आमजन को जागरूक कर रहे थे। इस अवसर पर डी.सी.एम.श्री चन्द्रपाल सिहं राठौर, श्री देवीलाल वर्मा, श्री अनिल राठौर उपस्थित थे।

अनुरागी बापू की पादुका पूजन कर मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सैनाचार्य भक्ति पीठ द्वारा द्वारा धर्मधाम गीता भवन के संस्थापक व सेनाचार्य श्री ब्रह्मलीन अनुरागी बापू की चरण पादुका पूजन एवं महाआरती कर गुरू पूर्णिमा महोत्सव सत्यनारायण की बगीची खानपुरा स्थित बापू वाटिका में परम्परागत रूप से मनाया गया। इस दौरान वाटिका में एकपौधा अनुरागी बापू केनाम केतहत पौधारोपण भी किया गया।

गुरू पूर्णिमा के दिन प्रात: अनुरागी बापू के श्रीविग्रह का अभिषेक किया गया। तत्पश्चात् चरण पादुका पूजन किया गया। इस अवसर पर महाआरती में भी नगर के समाजसेवियों व धर्मप्रेमियों ने भाग लिया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ नंदकिशोर राठौर ने कहा कि श्री बापू सरल, सहज एवं अहंकार रहित होकर धर्म के प्रति समर्पित गुरू थे। मंदसौर

नगर में धार्मिक चेतना जगाने में उनकी अहम् भूमिका थी। आपने धर्मधाम गीता भवन की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर मेवाडा सेन समाज पंचायत अध्यक्ष ब्रजेश सेन मारोठिया ने कहा कि भक्तगणों को अनुरागी बापू जी के बताये मार्गों पर चलने का संकल्प दिलाया तथा उनके द्वारा समाज सेवा व उत्थान के कार्यों को याद किया गया। गुरू पूर्णिमा महोत्सव पर विशेष रूप से नंदकिशोर राठौड, महेश परिहार, कमल मारोठिया, राकेश मारोठिया, भगवत सिंह परिहार, राघव मारोठिया, कैलाश मारोठिया, सत्नारायण मारोठिया, सूरज बैरागी, श्याम सेन राणाखेडा, आदित्य मारोठिया, अनिकेत मारोठिया, मगनीराम गंगवाल, बंसीलाल रजवानिया, राजमल रजवानिया, पुरुषोत्तम राठौड, घीसालाल गंगवाल, ब्रजेशसेन मारोठिया, लक्ष्यराज सेन, राजेश चौहान, हिमांशु गंगवाल सहित बडी संख्या में शिष्यगणों ने उपस्थित होकर अनुरागी बापू की चरण पादूका का पूजन किया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	17	2076	2310
उडद	4	4200	5400
सोयाबीन	5789	3410	4295
गैहु	6398	2400	2801
चना	391	5173	5640
मसुर	68	5101	6610
धनिया	128	5740	7152
लहसुन	12500	2952	8500
मैथी	576	3636	6291
मुंगफली	658	3600	5400
अलसी	1535	7100	7301
सरसो	276	6199	6759
तारामीरा	6	5190	5190
इसबगोल	80	7751	10701
प्याज	3191	380	1473
कलोंजी	14	17801	20351
तुलसी बीज	9	11290	14181
डॉलर	45	5601	8375
तिल्ली	281	7100	8800
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	4	2000	3080
असालीया	32	6385	6671
मूंग	2	6500	6500

मुख्यमंत्री ने सुबह कावड़ उठाई, शाम को विकास का अध्याय लिखा

उज्जैन, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शुक्रवार को गृह नगर आए मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने सुबह अग्नि अखाडा के महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी की समर्पण कावड यात्रा मंक शामिल होकर कावड उठाई और पैदल चले थे। इसके बाद वापस शाम को उज्जैन आए मुख्यमंत्री ने शहर को विकास की सौगात दी है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को उज्जैन त्रिवेणी स्थित शनि मंदिर पर कांवड यात्रा में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सभी कांवड यात्रियों की सुरक्षा के लिए अनुकूल व्यवस्था की जा रही है। उनके भोजन और रुकने की व्यवस्था के इंतजाम भी व्यापक स्तर पर करने के निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि संत जनों और ईश्वर के आशीर्वाद से उज्जैन की सिंहस्थ 2028 की तैयारी तेजी से चल रही है। हमारी तैयारी ऐसी है कि सिंहस्थ 2028 के बाद यदि हर वर्ष भी सिंहस्थ जैसे आयोजन उज्जैन नगरी में किए जाए तो भी हमें किसी प्रकार की समस्या नही आयेगी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 में संतो के स्थाई आश्रम और अन्य व्यवस्थाओं के लिए सिंहस्थ आध्यात्मिक सिटी का भी निर्माण किया जा रहा है। महामंडलेश्वर संत श्री उत्तम स्वामी जी के आशीर्वाद और नेतृत्व में आयोजित कावड यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कावंड का पूजन कर कांवड उठाई और संत श्री के साथ पैदल चल कांवड यात्रा शुरू कराई। इसके बाद मुख्यमंत्री अन्यत्र कार्यक्रमों के लिए रवाना हो गए। शाम को वापस उज्जैन आए मुख्यमंत्री ने उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा 68 करोड रूपए की लागत से निर्मित नानाखेडा पर 07 मंजिला वाणिज्यिक काम्पलेक्स का एवं रू. 48 करोड की लागत से क्षिप्रा विहार वाणिज्यिक सह आवासीय परिसर का लोकार्पण किया।

प्राधिकरण द्वारा नानाखेडा क्षेत्र में उज्जैन शहर का पहला 7 मंजिला वाणिज्यिक काम्पलेक्स 'प्रतिकल्पा' 37650 वर्गफीट क्षेत्रफल का निर्माण किया गया है। जिसका निर्मित क्षेत्रफल 150000 वर्गफीट होकर भूतल पर 02 दुकानें (क्षेत्रफल 2000 वर्गफीट), 07 दुकानें (क्षेत्रफल 1400 से 1980 वर्गफीट), प्रथमतल पर 11 दुकानें (क्षेत्रफल 755 से 1740 वर्गफीट), 29 फ्लेट (3इक्ध) क्षेत्रफल 1320 से 2350 वर्गफीट, 24 फ्लेट (2इक्ध) क्षेत्रफल 851 वर्गफीट, 06 लिफ्ट एवं 80 कार का पार्किंग ऐरिया एवं 2 बेसमेंट बनाये गये है। साथ ही 48 करोड रूपए की लागत से 22 एकड क्षेत्रफल में निर्मित क्षिप्रा विहार वाणिज्यिक परिसर का निर्माण किया गया है जिसमें 25 भूखंड (12000-40000 वर्गफीट), 75 भूखंड (800-1200 वर्गफीट), 70000 वर्गफीट क्षेत्र का लैंडस्केपिंग, फूडझोन हेतु 56 दुकानें उपलब्ध रहेंगी। परिसर के चारो ओर 45, 30 एवं 24 मीटर मास्टर प्लान अनुसार चौडी सडके एवं अंडरग्राउंड सीवरेज नेटवर्क, स्टार्म वाटर ड्रेन, जलप्रदाय लाईनें, अंडरग्राउंड विद्युत व्यवस्था, वाईड रोड नेटवर्क, डिवाईडर, फुटपाथ एवं स्ट्रीट लाईटिंग का प्रावधान किया गया है। साथ ही 16 करोड रूपए की लागत से एम आर 11 रोड कार्य का लोकार्पण किया गया। जाएगा। इस रोड की लम्बाई 1.7 कि.मी., चौडाई 45 मीटर, रोड के दोनों ओर सुंदर वृक्षारोपण, डिवाईडर एवं आकर्षक सेंट्रल लाइटिंग का प्रावधान किया गया है यह रोड इंदौर रोड और देवास रोड के समानांतर होगी । उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा विकमनगर रेल्वे स्टेशन के पास ग्राम नीमनवासा, धतरावदा, नागझिरी कोठीमहल एवं लालपुर क्षेत्र में कुल 250.65 हेक्टेयर भूमि पर नगर विकास योजना क्रमांक 3 एवं 4 क्रियान्वित की जा रही है। जिसमें द्वितीय चरण अन्तर्गत 175 करोड रूपए की लागत से अधारभूत अधोसंरचना विकास कार्य किया जाना प्रस्तावित है। जिसके अन्तर्गत रोड, अंडरग्राउंड सीवरेज नेटवर्क, स्टॉर्म वाटर पाईप लाईन, यूटीलिटी डक्ट, स्ट्रीट लाईटिंग जलप्रदाय लाईनें, अंडरग्राउंड विद्युत व्यवस्था, पार्क, आदि निर्माण कार्य का भी भूमि पूजन किया गया।

जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक संपन्न

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार की अध्यक्षता में जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती मनुप्रिया विनीत यादव, एडिशनल सीईओ श्री पंवार, जिला पंचायत सदस्य, जिलाधिकारी मौजूद थे।

बैठक के दौरान जिला पंचायत अध्यक्षा ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि अनुकंपा नियुक्ति के जितने भी लंबित प्रकरण है उनका तुरंत निराकरण करें। अनुकंपा के कितने पद रिक्त हैं उसकी जानकारी भेजें। आंगनवाडी में सहायक एवं आंगनबाडी कार्यकर्ताओं के प्रमोशन के संबंध में प्रमाण पत्रों की विधिवत जांच करें। जल निगम गांव में पेयजल पाइपलाइन गहराई में डालें। टंकी का निर्माण उच्च स्तर के लेवल पर करें, जितने भी निर्माण कार्य हुए उनका भौतिक सत्यापन और निरीक्षण जनप्रतिनिधियों के साथ में करें। विद्युत आपूर्ति विभाग को निर्देश दिए कि, लाइट से वंचित आबादी क्षेत्र में पोल शिफ्ट कर लाइट की व्यवस्था करें। वन विभाग पौधारोपण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करें तथा जनप्रतिनिधियों के माध्यम से पौधारोपण भी करवाए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सडकों का संधारीकरण करें। सड़कों से अतिक्रमण हटवाए तथा सडकों के आसपास झाड़ियां को हटवाए। शिक्षा विभाग पिछले वर्षों में किए गए कार्यों की जानकारी प्रेषित करें। स्कूलों में साफ सफाई एवं बसों में सीसीटीवी कैमरे लगवाए। मनरेगा अंतर्गत नंदन फलौ उद्यान में विगत 3 वर्षों में किन हितग्राहियों ने लाभ लिया, कितने लोगों का भुगतान हुआ इसकी जानकारी प्रेषित करें। जनजाति कार्य विभाग ग्राम बालोदिया में 14 एवं 15 जुलाई को धरती आभा कार्यक्रम के अंतर्गत शिविर आयोजित करें तथा छात्रावासों का निरीक्षण करें।

मामला पशुपतिनाथ मंदिर गर्भगृह में रील बनाने का...

रील बनाने वाली शीतल ने मांगी माफी

[जनप्रतिनिधियों के साथ जनता ने की कार्रवाई की मांग]

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्री पशुपतिनाथ मंदिर के गर्भगृह में नीमच की एक युवती ने रील बनाकर इंस्टाग्राम पर शेयर कर दी। यह देख श्रृद्धालुओ में आक्रोश फैल गया। जिसके बाद जनप्रतिनिधियों के साथ सोशल मीडिया पर लोगों ने भी कार्रवाई की मांग की। वीडियो सामने आने के बाद विधायक विपिन जैन ने कहा कि भगवान की प्रतिमा के सामने ऐसी रील बनाना गलत है। प्रशासन को इस पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। अब युवती का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें वो माफी मांगती नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि युवती का नाम शीतल शर्मा है। वो नीमच की रहने वाली है। शीतल ने कहा कि जितने भी शिव भक्तों को परेशान हुई है, हम आपसे क्षमा मांगते हैं। अब हम यहां की कोई वीडियो पोस्ट नहीं करेंगे। वीडियो के साथ लिखित माफीनामा भी शीतल शर्मा ने मंदिर प्रबंधक को भेजा है। माफीनामे में लिखा हमें ध्यान नहीं था कि यहां वीडियो बनाना मना है। हमारे द्वारा सोशल मीडिया से वीडियो डिलीट कर दिया गया है, हमारे खिलाफ आगे कोई कार्रवाई ना करते हुए हमें क्षमा करें, भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी।

मंदिर सेक्रेटरी और एसडीएम करेंगे फैसला...

बता दें कि वीडियो बुधवार को बनाया गया था और गुरुवार को सामने आने के बाद कार्रवाई की मांग की गई। वहीं जब मंदिर प्रबंधक से उनका पक्ष पूछा गया तो उन्होंने कहा कि माफी नामा मिला है। इस मामले में आगामी निर्णय मंदिर सेक्रेटरी और एसडीएम रविंद्र परमार लेंगे।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, यह आपत्तिजनक...

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि धार्मिक स्थल श्रद्धा के केंद्र होते हैं। यहां से आपत्तिजनक रील वायरल होना आस्थावान लोगों को ठेस पहुंचाता है। इस विषय में कलेक्टर अदिति गर्ग से बात कर कार्रवाई करने की बात कहूंगा।

पुजारी ने कहा, मंदिर में रील बनाना अनुचित...

मंदिर पुजारी राकेश भट्ट ने भी श्रद्धालुओं से अपील की है कि पशुपतिनाथ मंदिर आस्था का केंद्र है। यहां दर्शन और मनोकामना के लिए आया जाता है न कि फोटो और रील बनाने के लिए। ऐसी गतिविधियां यहां नहीं होनी चाहिए।

मंदिर समिति लापरवाह...

श्रद्धालुओं ने मांग की है कि गर्भगृह में रील बनाने वाली युवती शीतल शर्मा पर कड़ी कार्रवाई हो। मंदिर के भीतर फोटो लेना भी प्रतिबंधित है। इसके बावजूद वीडियो सामने आना मंदिर समिति की लापरवाही को दर्शाता है।

गर्भगृह में रील बनाने का यह दूसरा मामला...

उल्लेखनीय है कि गर्भगृह में रील बनाने का यह दूसरा मामला है। इससे पहले युवक तरुण नामदेव ने मंदिर के गर्भगृह में पहुंचकर फिल्मी गाने पर डांस करते हुए मंदिर के गर्भ गृह में वीडियो शूट करवाया था। लोगों ने इस हरकत को गलत बताया था। इसके बाद युवक ने मंदिर समिति से लिखित में माफी मांगते हुए वीडियो डिलीट कर दिया था।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर किया गुरुजनों का चरण पूजन

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर की अग्रणी सामाजिक एवं धार्मिक संस्था जयराम जी की प्रयास समिति के द्वारा छठा गुरु पूर्णिमा महोत्सव सभी समाजजन की मौजूदगी में उत्साह एवं उल्लास पूर्वक मनाया गया।,

कार्यक्रम के प्रारंभ में समाज के सभी पूजनीय ब्राह्मण देवता द्वारा समाज के आराध्य देव भगवान श्री झूलेलाल एवं योगीराज संत परम पूजनीय स्वामी श्री लीला शाह महाराज की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया, उसके पश्चात समिति के सदस्यों ने बारी-बारी से सभी गुरुओं के चरण पूजन का लाभ लिया। तत्पश्चात समाज के सभी सम्माननीय समाजजनों एवं मातृशक्ति के द्वारा समस्त ब्राह्मण देवता गुरुजियों का सम्मान पुष्पमाला, कंकू तिलक, दुपट्टा पहना कर श्रीफल भेंटकर वह सम्मान निधि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर सभी ब्राह्मण देवताओं ने जय राम की प्रयास सेवा समिति द्वारा निरंतर किए जा रहे सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों की सराहना की व समिति का आशीर्वाद दिया की समिति इसी तरह समाज सेवा

में, समाज के हित के कार्यों में एवं धार्मिक कार्यों में संदैव अग्रणी रहकर समाज का नाम पूरे शहर में रोशन करें,, कार्यक्रम के प्रोजेक्ट चेयरमैन जीतू भाई हरवानी एवं प्रदीप चंदवानी थे। कार्यक्रम का संचालन विजय कोठारी ने किया एवं आभार प्रकाश लालवानी ने माना। इस अवसर पर सिंधु महल समिति के संयोजक काका श्री दृष्टनंद नेनवानी पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष वासुदेव सेवानी, लाडी लोहाणा सिंधी पंचायत के पूर्व प्रांत अध्यक्ष काका देवीदास हरवानी पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के महासचिव राजेश चाहूजा, सोनी सिंधी समाज के पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल सोनी, प्रयास सेवा समिति के वरिष्ठ सदस्य दुर्गेश बेलानी, दिलीप साधवानी,नरेंद्र दासानी, दिनेश चंदवानी, प्रकाश बेलानी, हेमंत पमनानी, शिवकुमार चंदानी, प्रदीप तेजवानी, सचिन मोटवानी, हीरालाल मनवाणी, चंद्रप्रकाश आडवाणी, सोनू भाई सेवानी, मातृशक्ति पूज्य सिंधी जनरल पंचायत महिला इकाई अध्यक्ष एवं भाजपा पार्षद भावना पमनानी लाडी लोहाणा सिंधी पंचायत महिला अध्यक्ष मंजू कोठारी, ज्योति ककनानी, लता लालवानी, पूनम माखीजा, प्रयास सदस्या हर्षा साधवानी, मालती कोठारी, वर्षा हरवानी, जानवी चंदानी, वर्षा कोठारी, जानवी चंदवानी, नेहा मनवानी, निशा चंदवानी, आदि बड़ी संख्या में समाजजन, मातृ शक्ति व युवा साथी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के नवीन आवेदन लेने की प्रक्रिया पूर्णत: बंद है

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास बी. एल. विश्राई द्वारा बताया गया कि मंदसौर जिले मे विगत दिनों से कुछ संगठन, यूनियन एवं अन्य लोगो द्वारा गांव एवं शहरों की माता एवं बहनों से लाडली बहना योजना के नवीन आवेदन फार्म भरवाने के नाम पर अवैध वसूली किये जाने की सूचना प्राप्त हुई है। तथा फार्म भरने के आवेदन तैयार कर उनको भ्रमित किया जा रहा है। वर्तमान में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के नवीन पंजीयन आवेदन लेने की प्रक्रिया पूर्णत: बंद है, इस योजना के तहत नवीन पंजीयन नही हो रहे है। यदि किसी व्यक्ति या बेनाम संगठन या यूनियन द्वारा मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के संबंध में कोई भ्रामक जानकारी दी जाती है या अवैध वसूली किये जाने का प्रयास किया जाता है, तो इसकी सूचना तत्काल जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला मंदसौर के दूरभाष नंबर 07422-235543 पर दे सकते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना के 29 हितग्राहियों को सौपे स्वीकृति पत्र

मनासा, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत शुक्रवार को नगर परिषद मनासा ने 29 हितग्राहियो को स्वीकृति पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का लाइव प्रासरण सुनकर नगर परिषद अध्यक्ष डॉ सीमा अजय तिवारी एवं उपाध्यक्ष किशोर जोलान्या एवं पार्षदगण राजू माली, प्रवीण जोनवाल, दशरथ खटवा, आदि की उपस्थिति में कार्यक्रम हुआ. मुख्यमंत्री मंत्री श्री यादव ने इंदौर से प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत हित लाभ वितरण कार्यक्रम को लाईव संबोधित किया। इसके तहत 65 हजार से अधिक हितग्राहियों को हित लाभ वितरण किया गया। इन्हे कुल 1513.53 करोड की अनुदान राशि हस्तॉंतरित की गई।

पीएमवाई (यू) 1.0 अंतर्गत निर्मित 45 हितग्राहियो को गृह प्रवेश कराया गया। वही पीएमवाई (यू) 2.0 अंतर्गत 19541 नवीन आवासो के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र सौंपे गए। नगर परिषद मनासा में कार्यक्रम के दौरान 29 हितग्राहियो को स्वीकृति पत्र सौंपे उन्हें आवास मिलने पर अध्यक्ष उपाध्याक्ष और पार्षद गण ने बधाई शुभकामनायें दी अध्यक्ष डॉ सीमा अजय तिवारी ने बताया प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र जी मोदी की पीएम आवास योजना से गरीबो के आवास का सपना साकार हो रहा है। जिन्हे सर पर छत की आंस नहीं थी उन्हें आज पक्का आवास मिल रहा है अंतिम व्यक्ति की चिंता भाजपा सरकार द्वारा की जा रही है आज कार्यक्रम में पात्र 29 हितग्राहियो को स्वीकृति पत्र सौंपे है शेष हितग्राहियो की सूची तैयार कर सर्वे किया जा रहा और परिषद द्वारा डीपीआर तैयार की जा रही है कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित नहीं रहे इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा कार्यक्रम में परिषद के अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित थे।

आनंद ग्राम पालसोड़ा में अल्प विराम कार्यक्रम सम्पन्न

नीमच, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। म.प्र.शासन आनंद विभाग नीमच जिले के आनंद ग्राम पालसोडा में गुरूवार को पंचायत भवन में अल्पविराम परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर श्री कमलाशंकर विश्वकर्मा एवं आनंदम सहयोगी श्रीमती अनिता सिसोदिया एवं श्री प्रहलाद वैष्णव ने आमजनों को ट्रेनिंग दी। आनंदम टीम ने अपना परिचय दिया और प्रतिभागियों से भी अनोखे अंदाज में परिचय लिया, साथ ही अल्प विराम कार्यक्रम की भूमिका, फ्रीडम ग्लास का सत्र लिया और प्रतिभागियों का फीडबैक लेकर विभाग से जुड़ने की प्रकिया साझा की। आनंदम सहयोगी श्रीमती अनिता सिसोदिया ने हम और हमारे रिश्ते विषय पर जानकारी दी। आनंदम सहयोगी श्री प्रहलाद वैष्णव ने जीवन का लेखा जोखा के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में श्री रामनारायण जाट ने आभार माना। कार्यक्रम में ग्रामीणों के साथ साथ एडीईओ श्री नवनीत नागर, सचिव श्री महेश शर्मा, सहायक सचिव श्री रूपेश पाटीदार एवं श्री अर्जुन मोदी आदि ने भी सहभागिता की।

आईटीआई में 15 को होगा युवा संगम का आयोजन

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन द्वारा बताया गया कि शासकीय आईटीआई मंदसौर में 15 जुलाई प्रात: 10:30 बजे युवा संगम का आयोजन किया जाएगा। अधिक से अधिक युवा युवा संगम का लाभ उठाएं योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त करे।

जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों की बिक्री की होगी उचित व्यवस्था

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र श्री डॉ. जी.एस चुण्डावत द्वारा बताया गया कि मंदसौर जिले के जो किसान भाई प्रमाणित जैविक एवं प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। वह अपना पुरा नाम, पता, कौन-कौन सी फसलें जैविक खेती कर रहे हैं, कि जानकारी मोबाईल नंबर 9406514993 पर मेसेज के माध्यम से साझा करें। या कृषि विज्ञान केंद्र मंदसौर में आकर भी दे सकते हैं। जैविक एवं प्राकृतिक खेती के संबंध में जानकारी एकत्रित करने का प्रमुख उद्देश्य है कि, जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों की बिक्री की उचित व्यवस्था करना तथा उपभोक्ताओं तक सीधे पहुंच बनाना है। इससे किसानों को अपनी फसलों का उचित दाम भी मिलेगा। साथ ही फसलों के विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा भी नहीं होगी। किसानों से उपभोक्ता भी संपर्क में रहेंगे। अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नंबर 9406514993 या कृषि विज्ञान केन्द्र सितामऊफाटक मंदसौर पर संपर्क करें।

विश्व जनसंख्या दिवस पर परिवार कल्याण जागरूकता रैली निकाली

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोविंद सिंह चौहान ने बताया कि 11 जुलाई, विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर परिवार कल्याण कार्यक्रम के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु मंदसौर जिला चिकित्सालय से एक विशाल जागरूकता रैली का शुभारंभ किया गया। यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गांधी चौराहे पर पहुंची, जहां एक प्रभावशाली मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया। तत्पश्चात, रैली का समापन जिला प्रशिक्षण केंद्र में हुआ।

डॉ. चौहान ने समस्त ब्लॉक मेडिकल ऑफिसरों को निर्देशित किया है कि वे ब्लॉक स्तर, सेक्टर स्तर एवं ग्राम स्तर पर अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करें। ये कार्यक्रम 11 अगस्त 2025 तक निरंतर जारी रहेंगे। स्थाई परिवार नियोजन साधन के रूप में महिला नसबंदी हेतु फिक्स्ड डे कैंपों का निर्धारण किया गया है:-✻ सिविल हॉस्पिटल गरोठ: प्रतिदिन डॉ. शोभा मौर्य द्वारा महिला नसबंदी की सुविधा उपलब्ध

रहेगी। ✻ सिविल हॉस्पिटल भानपुरा: प्रत्येक बुधवार एवं गुरुवार को डॉ. गौरव सेजरिया और डॉ. गौरव देराथी द्वारा महिला नसबंदी की जाएगी। ✻ नारायणगढ: प्रत्येक शनिवार एवं सोमवार को डॉ. जगदीश गहलोत द्वारा नसबंदी की जाएगी। ✻ सीतामऊ प्रत्येक बुधवार को डॉ. जगदीश गहलोत द्वारा नसबंदी की जाएगी। ✻ सुवासरा हॉस्पिटल: प्रत्येक गुरुवार को डॉ. शुभम मोरे द्वारा नसबंदी की जाएगी। ✻ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नाहरगढ़: प्रतिदिन महिला नसबंदी की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

अस्थाई परिवार नियोजन सेवाओं पर जोर–गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसव पश्चात पीपीआईयूसीडी (Post-partum Intrauterine Contraceptive Device) लगाने की सुविधा सभी प्रसव केंद्रों और शासकीय अस्पतालों में उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त, एक बच्चे से दूसरे बच्चे के बीच अंतर रखने के लिए आईयूसीडी (Intrauterine Contraceptive Device) और छाया जैसी सुविधाओं को भी अस्पतालों में उपलब्ध कराया गया है। डॉ. चौहान ने आम जनता से इन सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्प्री-2025 योजना को मिली मंजूरी

मंदसौर, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढावा देने के लिए स्प्री 2025 यानि स्कीम टू प्रमोट रजिस्ट्रेशन ऑफ इम्प्लॉयर्स/इम्प्लॉयीज योजना को स्वीकृति दी है। इस निर्णय की घोषणा शिमला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित 196वीं ईएसआई निगम की बैठक में की गई, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय श्रम और रोजगार तथा युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने की।

संयुक्त निदेशक श्री निश्चल कुमार नाग, प्रभारी, उप क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्प्री योजना का उद्देश्य ईएसआई अधिनियम, 1948 के अंतर्गत अब तक पंजीकृत नहीं हुए प्रतिष्ठानों एवं श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना है। यह योजना 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2025 तक लागू रहेगी। इसके अंतर्गत नियोक्ता डिजिटल माध्यमों जैसे- एञ्चउ पोर्टल, श्रम सुविधा पोर्टल, चउअ पोर्टल से अपने प्रतिष्ठान एवं कर्मचारियों का पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण नियोक्ता द्वारा घोषित तिथि से वैध माना जाएगा। पंजीकरण की तिथि से पूर्व की अवधि के लिए कोई देनदारी, योगदान या रिकॉर्ड की मांग नहीं की जाएगी और कोई निरीक्षण या कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी, जो पहले अपंजीकरण की स्थिति में संभावित थी। स्प्री योजना का प्रमुख उद्देश्य पिछली देनदारियों के भय को समाप्त कर स्वैच्छिक अनुपालन को बढावा देना है, इससे कॉन्ट्रेक्ट, अस्थायी और अनियमित श्रमिकों को भी स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त होंगे। इस योजना के अंतर्गत नकद लाभ (बीमारी, मातृत्व, चोटया मृत्यु की स्थिति में), कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए चिकित्सा सेवाएं, दीर्घकालिक सामाजिक सुरक्षा जैसे विकलांगता लाभ, पेंशन आदि लाभ उपलब्ध होंगे। यह योजना उन नियोक्ताओं पर लागू होगी जिनके प्रतिष्ठानों यानि कारखानें, दुकानें, होटल-रेस्टोरेंट, रोड ट्रांसपोर्ट, निजी स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, समाचार पत्र, नगर निगमों के ठेका कर्मचारी आदि में 10 या अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। ऐसे संस्थानों पर भी यह योजना लागू होगी जो अब तक ईएसआई अधिनियम के तहत पंजीकृत नहीं हुए हैं अथवा वह अपने सभी पात्र कर्मचारियों का पंजीकरण नहीं कर पाए हैं। संयुक्त निदेशक श्री नाग ने बताया कि यह योजना सर्वसमावेशी सामाजिक सुरक्षा कवरेज को बढावा देती है और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिये भी अनुकूल है। योजना की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह पूरी तरह से स्वैच्छिक, सरल और पारदर्शी है। उन्होंने राज्य के सभी पात्र नियोक्ताओं से इस योजना का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया, जिससे वे न केवल कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें बल्कि अपने कर्मचारियों को आवश्यक स्वास्थ्य व सामाजिक संरक्षण भी प्रदान कर सकें।

प्रशासन ने बरलाई में शासकीय जमीन से हटाया अतिक्रमण

नीमच/मनासा, 11 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच जिले में राजस्व विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा शासकीय जमीनों के संरक्षण एवं अवैध अतिक्रमण हटाने के अभियान के तहत एसडीएम मनासा श्री पवन बारिया के निर्देशन में राजस्व विभाग की टीम ने शुक्रवार को ग्राम बरलाई में शासकीय जमीन से अतिक्रमण हटाकर, शासकीय जमीन को कब्जे से मुक्त करवाया गया। एसडीएम श्री बारिया ने बताया, कि तहसीलदार रामपुरा श्री मृगेन्द्र सिसोदया एवं राजस्व विभाग की टीम ने शुक्रवार को ग्राम बरलाई में जेसीबी की सहायता से शासकीय जमीन पर कुछ ग्रामीणों द्वारा किया गया, अवैध कब्जा, अतिक्रमण हटाया गया हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, मंदसौर

महू–नीमच रोड शासकीय महाविद्यालय के पास मंदसौर, E-mail-: eephedmas@mp.nic.in

NIT NO. 09/2025-26

क्रमांक–1606/व.ले.लि./का.यं./2025 मंदसौर, दिनांक – 10.07.2025

निम्नलिखित कार्य आमंत्रण सूचना वेबसाईट www.mptender.gov.in पर प्रदर्शित की गई है। टेंडर का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

टेण्डर आई. डी.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपयों में)	1. अर्नेस्टमनी (रुपये में) 2. आमंत्रण क्रमांक	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा क्रय की अंतिम तिथि
2025_PHED_436583_1	लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखंड मंदसौर के केन्द्रीय भंडार गृह पर रखी हुई अनुपयोगी का नीलाम करने का कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना। 46964 किलोग्राम	17,84,632.00	1. 35693.00 2. तृतीय आमंत्रण	15 दिवस	22.07.2025 17.30 तक

उक्त कार्य की निविदा क्रेडिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिग एकाउन्ट के माध्यम से भुगतान करने पर ऑनलाईन उक्त बेवसाईट पर क्रय की जा सकती है। निविदा से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी उक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

नोट :– निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन वेबसाईट पर देखा जा सकता है। संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

(पी.के. गोगादे)
कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा.यां. खंड, मंदसौर
फोन नं.–07422232190

G-15488/25 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in